जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 15 फरवरी, 2026

6 मिनट दूर नहीं
गुना ज्यादा सुरक्षित

6 लेयर सिक्योरिटी
60 एमेनीटीज़

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

कोठी
₹4700/ Sq Ft से शुरु

वॉक-अप अपार्टमेंट
₹4000/ Sq Ft से शुरु

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.20 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

गुणों से ही मनुष्य महान होता है, ऊँचे आसन पर बैठने से नहीं। महल के ऊँचे शिखर पर बैठने मात्र से कौवा गरूड़ नहीं हो सकता। -चाणक्य

आयुर्वेद के रसायन मानवता के लिये वरदान हैं

आज की चर्चा एक बार पुनः आयुर्वेद के रसायनों पर है। जैसा कि पहले चर्चा की जा चुकी है, जीवन में एक ऐसा समय आता है जब कितना ही बुद्धिमान डॉक्टर हो या कितनी ही बढ़िया चिकित्सा हो, रोग ठीक करना मुश्किल हो जाता है। यदि व्यक्ति का बल और मांस क्षीण हो जाये तो ऐसा भान होने लगता है जैसे आयु पूरी हो चुकी है। कोई महाव्याधि अचानक निवर्तित हो जाये व भोजन से मिलने वाले लाभ मिलना भी बंद हो जायें तो भी यही स्थिति बनती है (देखें, सु.सू.32.7-8): चिकित्स्यमानः सम्यक च विकारो योऽभिवर्धते। प्रक्षीणबलमांसस्य लक्षणं तद्गतायुषः।। निवर्तते महाव्याधिः सहसा यस्य देहिनः। न चाहारफलं यस्य दृश्यते स विनश्यति।। जानी-मानी व बहुत लोगों पर सफल और बढ़िया तैयार औषधि भी यदि किसी व्यक्ति में वांछित प्रभाव ना दे पा रही हो तो व्यक्ति को गैर-उपचार योग्य श्रेणी में माना जाता है। चिकित्सक की सलाह से तैयार कर दिये गये भोजन का वांछित परिणाम नहीं मिल रहा हो, तो चिंताजनक स्थिति मानी जाती है (देखें, च.इ.12.7-8): विज्ञातं बहुशः सिद्धं विधिवच्चावचारितम्। न सिध्यत्योषधं यस्य नास्ति तस्य चिकित्सितम्।। आहारमुपयुञ्जानो भिषजा सूपकल्पितम्। यः फलं तस्य नाप्नोति दुर्लभं तस्य जीवितम्।। बात यहाँ अति-कठिन परिस्थिति की है।

वस्तुतः आयुर्वेद के दृष्टिकोण से माना जाता है कि जब मृत्यु का समय निकट आता है तो कुछ अरिष्ट प्रकट होते हैं (देखें, च.इ.2.5): न त्वरिष्टस्य जातस्य नाशोऽस्ति मरणादृते। मरणं चापि तन्नास्ति यन्नारिष्टपुरःसरम्।। किन्तु माना यह भी जाता है कि अरिष्ट को निर्विवाद रूप से पहचानने में त्रुटि भी हो सकती है (देखें, च.इ.2.6): मिथ्यादृष्टमरिष्टाभमनरिष्टमजानता। अरिष्टं वाऽप्यसम्बुद्धमेतत् प्रज्ञापराधजम्।। कहने का तात्पर्य यह है कि हो सकता है वास्तव में अरिष्ट प्रकट ना हुआ हो, फिर भी त्रुटिवश प्रकट हुआ मान लिया जाये।

अतः यदि भ्रम की स्थिति हो तो चिकित्सा की जाये या नहीं? यदि हाँ, तो कैसी चिकित्सा उपयुक्त हो सकती है? मेरे विचार से अरिष्ट की सही या गलत पहचान के पचड़े से बाहर निकलकर चिकित्सा करना ही उचित है। ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हें अंतिम स्थिति में पहुंचा हुआ मानकर धरती पर लिटाकर तुलसी और गंगाजल खिला-पिला दिया गया। गाय की बछिया की पूँछ पकड़ा कर दान-पुण्य भी करा दिया गया। पर वे फिर उठ खड़े हुये और कई साल चले। इसलिये जब तक प्राण हैं, चिकित्सा करना उपयोगी है।

अब प्रश्न यह है कि ऐसी कौन सी चिकित्सा है जो अरिष्ट निवारण में सक्षम हो सकती है? वैसे तो अरिष्ट-निवारण की सामर्थ्य कम ही व्यक्तियों में होती है, तथापि यह असंभव नहीं है। अरिष्ट प्रकट होने के बाद भी युक्ति-व्यपाश्रय, सत्त्वावजय और दैव-व्यपाश्रय की त्रिवेणी में की गयी चिकित्सा मृत्यु को टाल सकती है। इसका संकेत वैज्ञानिक-महर्षि आचार्य सुश्रुत ने दिया है। रिष्ट उत्पन्न होने पर मृत्यु निश्चित है, तथापि मानस दोषों से मुक्त विद्वान के द्वारा या रसायन, तप, और जप में पारंगत व्यक्ति द्वारा मृत्यु का निवारण किया जा सकता है (देखें, सु.सू.28.5): ध्रुवन्तु मरणं रिष्टे ब्राह्मणैस्तत् किलामलैः। रसायनतपोजप्यतत्परैर्वा निर्वार्य्यते।। कठिन रोगों की स्थिति में भी बचने की संभावना यहाँ साफ़ दृष्टिगोचर है।

क्या वास्तव में रसायन इतने उपयोगी और प्रभावी हैं? संहिताओं, शोध और अनुभव तीनों में ही इस प्रश्न का उत्तर धनात्मक ही मिलता है। आइये पहले संहिताओं के वे प्रमाण देखते हैं जो केवल कठिन रोगों व परिस्थितियों के सन्दर्भ में हैं। पहला प्रमाण आचार्य सुश्रुत के उस कथन से मिलता है जिसमें रोगों की सूची देते हुये संकेत किया गया है कि ये रोग रसायन के बिना असाध्य हो जाते हैं (देखें, सु.सू.33.3): ये जुष्टा व्याधयो यान्त्यवार्यताम्। रसायनाद्विना वत्स तान् शृण्वेकमना मम।। इस संदर्भ से यह संकेत तो स्पष्ट है ही कि रसायन से रोगों को उन अवस्थाओं में जाने से रोका जा सकता है जहां वे चिकित्सा की दृष्टि से असाध्य हो जाते हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि रसायन असाध्य रोगों को भी साध्य बनाते हुये चिकित्सा में मददगार हो सकते हैं। उदाहरण के लिये, हालाँकि कुष्ठ और प्रमेह असाध्य होते हैं, पर आचार्य सुश्रुत ने स्वयं एक ऐसा योग दिया है जो असाध्य कुष्ठ और प्रमेह को भी ठीक कर देता है (सु.चि. 10.12): एषौषधायस्कृतिरसाध्यं कुष्ठं प्रमेहं वा साधयति। वस्तुतः यह उस सिद्धान्त की विजय है जिसमें आचार्य चरक ने चिकित्सा की सफलता में युक्ति को सर्वोपरि माना है। यहाँ निहितार्थ यह है कि यदि रसायन चिकित्सा की जाये तो ये रोग असाध्य नहीं हो पाते। आधुनिक वैज्ञानिक शोध में रसायन उसी प्रकार उपयोगी पाये गये हैं जैसा कि आचार्य सुश्रुत ने निर्दिष्ट किया है। दूसरा प्रमाण, चरकसंहिता की टीका में चक्रपाणि द्वारा महर्षि अगस्त्य को उद्धृत करते हुए कहा गया है कि रसायन, तप व जप में सिद्ध महान लोग काल मृत्यु को भी जीत लेते हैं, पर आलसी आदमी नहीं (देखें, च.सू.1.62 पर चक्रपाणि.): रसायनतपो जापयोगसिद्धैर्महात्मभिः। कालमृत्युरपि प्राज्ञैर्जीयते नालसैर्नरैः।। तीसरा प्रमाण महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक द्वारा सोसायटल कोलैप्स या जनपदोध्वंश की स्थिति-हवा, पानी, मिट्टी और ऋतुओं के प्रदूषित हो जाने से उत्पन्न महामारियों-में पंचकर्म व रसायनों के द्वारा समस्या निवारण हेतु सुझाया गया रास्ता है (देखें, च.वि.3.13-14): येषां न मृत्युसामान्यं सामान्यं न च कर्मणाम्। कर्म पञ्चविधं तेषां भेषजं परमुच्यते।। रसायनानां विधिवच्चोपयोगः शस्यते। शस्यते देहवृत्तिश्च भेषजैः पूर्वमुद्धृतैः।।रसायन द्रव्यों के साथ ही अद्रव्य रसायन भी हैं जो सत्त्वावजय और दैव-व्यपाश्रय चिकित्सा में मददगार हैं। उदाहरण के लिये दान, विनम्रता, दया, सत्य, ब्रह्मचर्य, कृतज्ञता, मित्रता, रसायन व अच्छे कार्य सब उम्रवर्धक हैं (अ.हृ.शा.3.120): दानशीलदयासत्य ब्रह्मचर्यकृतज्ञताः। रसायनानि मैत्री च पुण्यायुर्वृद्धिकृद्गणः।।

> **हाल में हुये एक क्लीनिकल ट्रायल में पाया गया कि आमलकी रसायन के प्रयोग से डी.एन.ए.स्ट्रैंड में तोड़फोड़ की गति कम होती है तथा रिपेयर मैकेनिज्म तेज हो जाती है। यह रसायन सुरक्षित भी पाया गया है। एक अन्य अध्ययन में, जो 45-60 वर्ष के लागों के मध्य किया गया, पाया गया है कि आमलकी रसायन का प्रयोग रक्त की परिफेरल ब्लड मोनोन्यूलियर सेल्स में टीलोमीयर की लम्बाई में बदलाव किये बिना टीलोमेरेज क्रियात्मकता को बढ़ा देता है। इससे चूंकि टीलोमियर के क्षरण में कमी आती है, अतः हैल्थस्पान में बेहतरी होती है।**

संहिताओं के साथ ही आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों से भी रसायनों की क्रियात्मकता के ठोस प्रमाण मिल रहे हैं। मेरे ज्ञान में रसायन योगों पर 2100 शोधपत्र और एकल रसायनों पर कम से कम 5000 शोधपत्रों में से एक भी ऐसा नहीं है जिसमें रसायनों की त्रिदोष-नियामकता पर ठोस प्रश्नचिन्ह लगाया हो। आइये कुछ उदाहरण देखते हैं।

उम्र-आधारित रोगजनन का एक प्रमुख कारण डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म में गड़बड़ी होना माना जाता है। जीवित कोशिकाओं के गुणसूत्रों में पाये जाने वाले तंतुनुमा अणु को डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड या डी.एन.ए.कहा जाता है। इसी में अनुवांशिक कोड निहित रहता है। जैसे-जैसे डी.एन.ए. डैमेज का बोझ बढ़ता जाता है, शरीर बुढ़ापे की ओर बढ़ता जाता है। इस कारण अनेक समस्यायें जैसे-कैंसर, न्यूरोडीजेनरेशन और बढ़ती उम्र के कारण होने वाली अनेक व्याधियां विकसित हो जाती हैं। शरीर की कोशिकाओं द्वारा डी.एन.ए. डैमेज केसंकेत प्राप्त करना और टूट-फूट की मरम्मत करने की क्षमता उम्र के साथ घटती जाती है। इसीलिये बढ़ती उम्र में अनेक रोग लग जाते हैं।

तो क्या आयुर्वेद के रसायन बढ़ती उम्र के लोगों में डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म की गति को बढ़ा सकते हैं? इस विषय में कई अध्ययनों से यह सिद्ध होता है कि रसायन औषधियाँ डी.एन.ए. रिपेयर की गति को बढ़ाकर बुढ़ापा आने की गति को धीमा कर देती हैं। हाल में हुये एक क्लीनिकल ट्रायल में पाया गया कि आमलकी रसायन के प्रयोग से डी.एन.ए.स्ट्रैंड में तोड़फोड़ की गति कम होती है तथा रिपेयर मैकेनिज्म तेज हो जाती है। यह रसायन सुरक्षित भी पाया गया है। एक अन्य अध्ययन में, जो 45-60 वर्ष के लागों के मध्य किया गया, पाया गया है कि आमलकी रसायन का प्रयोग रक्त की परिफेरल ब्लड मोनोन्यूलियर सेल्स में टीलोमीयर की लम्बाई में बदलाव किये बिना टीलोमेरेज क्रियात्मकता को बढ़ा देता है। इससे चूंकि टीलोमियर के क्षरण में कमी आती है, अतः हैल्थस्पान में बेहतरी होती है। एक तीसरा उदाहरण अश्वगंधाा का दिया जा सकता है। कुल 50 स्वस्थ खिलाड़ियों के मध्य किये गये क्लीनिकल ट्रायल में यह पाया गया है कि अश्वगंधा की जड़ों का एक्सट्रैक्ट कार्डियोरेस्पायरेटरी सहनशीलता को बढ़ा देता है। इसके अलावा अनेक इनवाइट्रो, इन वाईवो और क्लिनिकल अध्ययन में अश्वगंधा और आमलकी सहित तमाम रसायनों द्वारा कैंसर, मधुमेह, कार्डियोवैस्कुलर बीमारियाँ, मानसिक बीमारियों तथा अपर-रेस्पायरेटरी-ट्रैक्टसंक्रमण से बचाव होता है। एक प्रमाण-आधारित तथ्य यह भी है कि आयुर्वेद के रसायनों से बेहतर एंटी-एंग्जाइटी व वाजीकर से बेहतर एंटी-डिप्रेशेंट औषधि कोई नहीं है। बुढ़ापा आने का एक कारण ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन का बढ़ना भी है। रसायन द्रव्यों के उपयोग करते रहने से शरीर का व्याधिक्षमत्व बढ़ता है तथा ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन में कमी होती है।

उत्तम बात यह है कि कुछ ऐसे द्रव्य हैं जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। फल व सूखे मेवे, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, मूंग, जल, दूध, घी, तुलसी, शहद, गुड़, त्रिकटु एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनके युक्तिपूर्वक सेवन के लिये किसी क्लिनिकल ट्रायल का इंतज़ार करने की आवश्यकता नहीं है। संहिता, साइंस और अनुभव सब इन द्रव्यों के पक्ष में हैं।

मृत्यु की तिथि तय नहीं है, अपितु प्राणियों की आयु युक्ति की अपेक्षा रखती है (च.वि. 3.29: भूतानामायुर्युक्तिमपेक्षते। युक्ति से उम्र बढ़ सकती है। असल में युक्तिव्यपाश्रय आचार्य चरक द्वारा आयुर्वेदाचार्यों पर किये गये विश्वास की पराकाष्ठा है। चिकित्सा में सफलता युक्ति पर निर्भर है (च.सू. 2.16): सिद्धिर्युक्तौ प्रतिष्ठिता। जब सफलता युक्ति पर आश्रित हो तो साध्य-असाध्य या अरिष्ट की जाँच-परख से ज्यादा महत्त्व युक्ति के प्रयोग पर दिया जाना चाहिये। और इस युक्ति में रसायन महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। इसलिये मेरा मानना है कि आयुर्वेदाचार्यों की देखरेख में लिये जाने वाले रसायन मौत के मुंह से निकाल लाने की क्षमता रखते हैं। रसायनों की क्षमताओं को पहचानिये। रसायन जरा-व्याधि का नाश तो करते ही हैं, जीवन का नाश भी रोक सकते हैं।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

राजस्थान में डबल इंजन की रफ्तार: समन्वित नेतृत्व से तेज़ विकास की नई इबारत

राजेंद्र गहलोत

राजस्थान की राजनीति और विकास यात्रा के वर्तमान अध्याय में डबल इंजन सरकार केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि नीतिगत समन्वय और संसाधनों के अधिकतम उपयोग का व्यावहारिक मॉडल बनकर उभरा है। एक ओर केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 और दूसरी ओर राज्य में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में घोषित राजस्थान बजट 2026-27 दोनों मिलकर विकास की ऐसी समवेत धारा बना रहे हैं, जिसका प्रभाव प्रदेश के गांव से लेकर महानगर तक स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

केंद्रीय बजट 2026-27 में राजस्थान को केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में 90,445 करोड़ रुपये मिलना राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। पिछले वर्ष की तुलना में 6,505 करोड़ रुपये की वृद्धि यह दर्शाती है कि वित्तीय संघवाद की भावना के अनुरूप राज्यों को अधिक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनकम टैक्स से 32,187 करोड़ रुपये और कॉर्पोरेट टैक्स से 26,550 करोड़ रुपये का अनुमानित हिस्सा यह संकेत देता है कि औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार का लाभ राजस्थान तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। इन केंद्रीय संसाधनों का समन्वय राज्य के 6,10,956 करोड़ रुपये के विशाल बजट से होता है। यह वर्ष 2023-24 की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। नीति, पूंजी और क्रियान्वयन की एकरूपता डबल इंजन का वास्तविक अर्थ है। राजस्थान सरकार ने वर्ष 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। यह लक्ष्य केवल महत्वाकांक्षी नहीं, बल्कि ठोस आधार पर आधारित है। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 21.52 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि प्रति व्यक्ति आय पहली बार 2 लाख रुपये से अधिक होने की संभावना है। यह संकेत है कि विकास केवल कागजों तक सीमित नहीं, बल्कि नागरिकों की जेब तक पहुंच रहा है।

केंद्र का विजन 2047 और राज्य का 4.3 ट्रिलियन लक्ष्य दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राष्ट्रीय स्तर पर 12.2 लाख करोड़ रुपये का सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और राज्य स्तर पर 53,978 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय का प्रावधान से सड़क, रेल, जल, ऊर्जा और डिजिटल ढांचे में व्यापक परिवर्तन संभव होता है। केंद्रीय स्तर पर लॉजिस्टिक्स, रेल और राष्ट्रीय राजमार्गों में निवेश तथा राज्य स्तर पर सड़क, शहरी विकास और जल परियोजनाओं में पूंजीगत व्यय का संयोजन प्रदेश के औद्योगिक और कृषि विकास को नई गति दे रहा है।

जल जीवन मिशन के लिए 67,600 करोड़ रुपये का राष्ट्रीय प्रावधान और राज्य में यमुना जल परियोजना (32,000 करोड़ रुपये) तथा रामजल सेतु लिंक परियोजना (26,000 करोड़ रुपये) जैसे प्रयास मिलकर जल संकटग्रस्त क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करते हैं। यह समन्वय ही डबल इंजन की असली ताकत है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई सेक्टर की ऐतिहासिक भूमिका रही है। केंद्रीय बजट में 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई ग्रोथ फंड और 2,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त प्रावधान ने उद्योग जगत में नई ऊर्जा भरी है। किशनगढ़ का मार्बल उद्योग, भीलवाड़ा का टेक्सटाइल क्लस्टर, जयपुर का जेम्स एंड ज्वेलरी क्षेत्र और अलवर का ऑटो कंपोनेंट उद्योग तकनीकी उन्नयन और पूंजी उपलब्धता से लाभान्वित होंगे।

राज्य स्तर पर निवेश प्रोत्साहन और औद्योगिक अवसंरचना का विस्तार इन केंद्रीय पहलों को जमीन पर उतारने में सहायक सिद्ध हो रहा है। निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक रोजगार अवसर सृजित होना इसी समन्वित नीति का परिणाम है। राजस्थान बजट में शिक्षा के लिए 35 प्रतिशत वृद्धि कर 69,000 करोड़ रुपये का प्रावधान मानव संसाधन सशक्तिकरण की गंभीरता को रेखांकित करता है। 400 स्कूलों को सीएम राइज विद्यालयों के रूप में उन्नत करना और प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल स्थापित करने की केंद्रीय घोषणा, दोनों मिलकर बालिकाओं की शिक्षा और सुरक्षा को नई दिशा दे रहे हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 32,526 करोड़ रुपये का प्रावधान, जयपुर में 500 बेड का आईपीडी टावर और आरयूएचएस में 200 बेड की बाल चिकित्सा सुविधा जैसे कदम गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की ओर संकेत करते हैं। केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों से चिकित्सा अवसंरचना में सुधार का सीधा लाभ आमजन को मिल रहा है। राज्य में राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी की स्थापना और ऑनलाइन टेस्टिंग सेंटरों के माध्यम से पारदर्शी भर्ती प्रणाली युवाओं के विश्वास को मजबूत करती है। पांच वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियों के लक्ष्य की दिशा में 1 लाख से अधिक नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1.54 लाख पदों पर प्रक्रिया जारी है। केंद्र की स्किल डेवलपमेंट और स्टार्ट-अप योजनाएं राज्य की भर्ती और कौशल पहलों के साथ मिलकर युवाओं को अवसरों का व्यापक दायरा प्रदान कर रही हैं। यह जनसांख्यिकीय लाभांश को उत्पादक पूंजी में बदलने का प्रयास है। स्वयं सहायता समूहों की ऋण सीमा 1 करोड़ रुपये तक बढ़ाना और लखपति दीदी योजना में ऋण विस्तार महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल और महिला उद्यमिता योजनाएं सामाजिक सुरक्षा और सशक्तिकरण का मजबूत आधार बन रही हैं। डबल इंजन मॉडल में सामाजिक न्याय और आर्थिक अवसर साथ-साथ चल रहे हैं।

राजस्थान की पहचान पर्यटन और विरासत से जुड़ी है। 2047 तक पर्यटन के जीडीपी योगदान को 10 प्रतिशत तक ले जाने का राष्ट्रीय लक्ष्य और राज्य स्तर पर जैसलमेर के ख़ुड़ी में अल्ट्रा लग्जरी टूरिज्म जोन तथा शेखावाटी की हवेलियों के पुनरुद्धार के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान पर्यटन को राजस्व के साथ रोजगार सृजन का माध्यम बना रहे हैं। डिजिटल नॉलेज ग्रिड, गाइड प्रशिक्षण और इको-टूरिज्म पहलें राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत स्थान दिला सकती हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नेतृत्व इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। प्रशासनिक अनुभव, वित्तीय अनुशासन और क्रियान्वयन पर जोर ने बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में गति दी है। राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन तथा आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर विचार से स्पष्ट है कि सरकार प्रशासनिक तंत्र को विकास का सहभागी मानती है।

राजस्थान में डबल इंजन सरकार का मॉडल यह प्रमाणित कर रहा है कि जब केंद्र और राज्य की नीतियां एक-दूसरे के पूरक बनती हैं, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग और तेज विकास संभव होता है। केंद्रीय बजट से बढ़े संसाधन, राज्य बजट की संरचनात्मक प्राथमिकताएं, पूंजीगत निवेश में वृद्धि, मानव संसाधन पर फोकस और दीर्घकालिक विजन मिलकर राजस्थान को आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं।

-राजेंद्र गहलोत, सदस्य राज्यसभा

आदिकाल से लाइफ मैनेजमेंट के सर्वश्रेष्ठ गुरु भोलेनाथ से जुड़े रोचक रहस्य

डॉ. जे.के. गर्ग

हम सभी आत्म चिंतन करें जब शिवजी के परिवार में विरोधी स्वभाव के प्राणी भी प्रेमपूर्वक साथ साथ प्रेमपूर्वक रहते हैं तो क्यों नहीं हम हमारे समाज एवं देश में बिना किसी भेदभाव के गिरे हुओं को, पिछड़े हुओं को, विभिन्न धर्मों के अनुयायियों को साथ लेकर चल सकते हैं? यह भी सत्य कि कुछ धर्मांध स्वार्थी पथभ्रष्ट तथाकथित धार्मिक मनुष्य मौका मिलने पर अपने निज स्वार्थ के खातिर समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को नष्ट करने के अंदर शामिल हो जाते है। शिव रात्रि के पावन पर्व हम सभी सनातन धर्मी भारत वाशी संकल्प लें कि हम समाज के विभिन्न धर्मालंबी लोगों के साथ मिलजुल कर रहेंगे एक-दूसरे का सम्मान करके प्रेम पूर्ण समंध बनायेगें। समाज के अंदर ऊँच-नीच का भेदभाव मिटाने के लिये काम करेंगे। आदि काल के सर्वश्रेस्ठ मेनेजमेंट गुरु भोलेनाथ अपने परिवार के अंदर निवास करने वाले विपरीत स्वभाव वाले प्राणी बिच्छू, बैल और सिंह, मयूर एवं सर्प और चूहा जैसे घोर विरोधी स्वभाव के प्राणियों के साथ प्रेमपूर्वक रहते हैं तो हम विभिन्न धर्मों के अनुयायियों हिदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, फ़ारसी, जैन देश वासियों को साथ लेकर क्यों नहीं जीवन व्यापन कर सकते हैं? सही मायने में भगवान शिव की सच्ची पूजा-आराधना तभी होगी जब हम उनकी शिक्षाओं को जीवन के अंदर धारण करके मिल-जुल कर प्रेमपूर्वक एक परिवार की भार्ती रहेंगे। ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय,ॐ नमः शिवाय।

भोलेनाथ जितने रहस्यमयी हैं उतनी ही उनकी वेश-भूषा भी अनूठी ही है, इसी के साथ भोले शंकर से जुड़े तथ्य भी उतने ही विचित्र और अनोखे हैं। भोलेनाथ शिव जी श्मशान में निवास करते हैं, भोलेनाथ गले में नाग धारण करते हैं, भांग व धतूरा ग्रहण करते हैं। सनातन धर्मी फाल्गुन के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी यानी 15 फरवरी 2026 को शिवरात्रि धूमधाम से मनाएंगे। जनसाधारण के मन में सवाल उत्पन्न होता है कि क्यों फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है? धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक ऐसा माना जाता है कि सृष्टि की रचना इसी दिन हुई थी। मध्य रात्रि में भगवान शंकर का ब्रह्मा से रुद्र के रूप में अवतरण हुआ था। ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन चतुर्दशी की अद्धर्रात्रि में भगवान शंकर लिंग के रूप में अवतरित हुए। चतुर्दशी तिथि के महानिशीथ काल में महेश्वर के निराकार ब्रह्म स्वरूप प्रतीक शिवलिंग का अविभार्व होने से भी यह तिथि महाशिवरात्रि के नाम से जानी जाती है। इसी दिन, भगवान विष्णु व ब्रह्मा के समक्ष सबसे पहले शिव का अत्यंत प्रकाशवान स्वरूप प्रकट हुआ था। कहा जाता है कि शिवरात्रि के दिन भगवान शिव और आदिशक्ति का विवाह हुआ था। मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान कालकेतु विष निकला था। भगवान शिव ने संपूर्ण ब्रह्मांड की रक्षा के लिए स्वयं ही सारा विष पी लिया था। इससे उनका गला नीला पड़ गया और तभी से शिवजी को नीलकंठ के नाम से जाना जाता है। भोले नाथ को सांसारिक होते हुये भी श्मशान का निवासी बोला जाता है इसके पीछे भी लाइफ मैनेजमेंट का महत्वपूर्ण रहस्य छिपा है।

जानिये कैसे? सच्चाई तो यही है कि संसार मोह-माया का प्रतीक है वहीं दूसरी तरफ श्मशान वैराग्य का प्रतीक है। प्रभु शिव कहते हैं कि आदमी को संसार में रहते हुए अपने कर्तव्य पूरे करने चाहिए वहीं साथ साथ मोह-माया से दूर भी रहना चाहिये। क्योंकि शरीर और संसार दोनों ही नाशवान है। एक न एक दिन यह सब कुछ नष्ट होने वाला है। इसलिए संसार में रहते हुए भी आदमी को किसी से मोह नहीं रखते हुए अपने कर्तव्य पूरे करने के साथ साथ एक बैरागी की तरह जीना चाहिये।

मन के अंदर सवाल उठता है कि शिवलिंग मंदिरों में बाहर क्यों होता है? निःसंदेह भोले नाथ जन साधारण के देवता हैं, इसीलिए भोलेनाथ वहां रहते हैं जहाँ छोटे-बड़े, जवान-बुजुर्ग आसानी से पहुंच सके। इसी मान्यता के कारण शिवलिंग को मन्दिरों में बाहर ही स्थापित किया जाता है जिससे बच्चे-बूढे-जवान जो भी जाए शिवलिंग को छूकर, गले मिल कर या फिर भगवान् के पैरों में पड़कर अपना दुखड़ा सुना कर हल्के हो सकते हैं। इसी वजह से शिवजी अकेले ही वो देव हैं जो गर्भ गृह में भक्तों को दूर से ही दर्शन देते हैं। शिवजी को भोग लगाने और अर्पण करने के लिए कुछ भी नहीं हो तो भक्त उन्हें पत्ता, फूल, या अंजलि भर के भोले नाथ को खुश कर सकता और उनकी पूजा-अर्चना कर सकता है।

निःसंदेह बेलपत्र भगवान शिव को बेहद प्रिय है और इसलिए शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाए बिना शिव की पूजा को पूर्ण नहीं माना जाती है। बेलपत्र में तीन पत्तियां हैं जिसको लेकर कई तरह की धारणाएं विध्यमान हैं। बेलपत्र में तीन पत्तियों को त्रिदेव (सृजन, पालन और विनाश के देव ब्रह्मा, विष्णु और शिव) माना गया है तो कहीं सत्व, रज और तम गुण का परियाचक माना जाता है। ध्यान देने योग्य बात है कि कहीं बेलपत्र में तीन पतियों को तीन आदि ध्वनियां जिनकी सम्मिलित गूंज से ऊं बनता है का प्रतीक माना गया है। बेलपत्र की इन तीन पत्तियों को महादेव त्रिनेत्र और भोलेनाथ के हथियार त्रिशूल का भी प्रतीक माना जाता है। शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से एक पौराणिक कथा भी जुड़ी हुयी है। समुद्र मंथन के समय जब विष निकला तो भगवान महादेव ने पूरी सृष्टि को बचाने के लिए ही इस विष को पीकर अपने कंठ में धारण कर लिया जिसके के प्रभाव से उनका कंठ नीला हो गया और उनका पूरा शरीर अत्यधिक गर्म हो गया जिसकी वजह से आसपास का वातावरण भी जलने लगा। शिवलिंग पर हमेशा तीन पत्तियों वाला ही अर्पित करना चाहिये एवं बेलपत्र चढ़ाते समय 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करना जरूरी है।

भोले नाथ को आक, धतूरा, भांग आदि शिव को चढ़ाने की जो परिपाटी है, उसके पीछे यही तथ्य छिपा है कि प्रत्येक वस्तु और व्यक्ति के अंदर अच्छे-बुरे दोनों पहलू होते हैं, इन नशीले और विषाक्त पदार्थों को शिव को अर्पित करने का अर्थ हुआ उनके दूवारा शिव-शुभ (औषधीय गुण) को स्वीकार करना किन्तु उनकी अशुभ-व्यसन प्रवर्ती का त्याग कर देना। लाइफ मैनेजमेंट के अनुसार, भगवान शिव को भांग धतूरा चढ़ाने का अर्थ है अपनी बुराइयों को भगवान को समर्पित करना। यानी अगर आप किसी प्रकार का नशा करते हैं तो इसे भगवान को अर्पित करे दें और भविष्य में कभी भी नशीले पदार्थों का सेवन न करने का संकल्प लें। ऐसा करने से भगवान की कृपा आप पर बनी रहेगी और जीवन सुखमय होगा।

शिवरात्रि व्रत मनाने का अधिकार ब्राह्मण से लेकर चंडाल तक सभी को है। भोले बाबा के लिए सब एक समान हैं। भगवान शिव महायोगी भी कहलाते हैं, उन्होंने योग साधना के द्वारा अपने जीवन को पवित्र किया है, वे असीमित गुणों के अक्षय भंडार हैं।

जहाँ बैल को खामोश एवं उत्तम चरित्र समर्पण भाव वाला बताया गया है, वहीं दुसरी तरफ बैल बल और शक्ति का भी प्रतीक है।जिस तरह गायों में कामधेनु को श्रेष्ठ माना जाता है उसी प्रकार बैलों में नंदी श्रेष्ठ है। यही सभी कारण रहे हैं जिसके कारण भगवान शिव ने बैल को अपना वाहन बनाया। पौराणिक कथा अनुसार शिलाद ऋषि ने शिव की तपस्या के बाद नंदी को पुत्र रूप में पाया था। नंदी को उन्होंने वेद आदि समस्त ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य संत पधारे और नंदी ने पिता की आज्ञा से उनकी खुब सेवा की जब वे जाने लगे तो उन्होंने ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं। तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? तब संतों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने भांप कर पूछा-'क्या बात है?' तो पिता ने कहा कि-'तुम्हारी अल्पायु के बारे में संत कह गए हैं इसीलिए चिंतित हूं।' यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि 'आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।' इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा 'वरदान मांगों वत्स।' तब नंदी के कहा कि 'मैं जिंदगी भर आपके ही सानिध्य में रहना चाहता हूं।' नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उसको अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

सही मायने में भगवान शिव की सच्ची पूजा आराधना तभी होगी जब हम उनकी शिक्षाओं को जीवन के अंदर धारण करके मिल जुल कर प्रेमपूर्वक एक परिवार की भार्ती रहगें। ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय,ॐ नमः शिवाय।

-डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

राशिफल रविवार 15 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र सायं 7:48 तक, व्यतिपात योग रात्रि 2:47 तक, वणिज करण सायं 5:05 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 7:48 तक है। भद्रा सायं 5:05 से आरम्भ होगी। आज महा शिवरात्रि व्रत, व्यतिपात पुण्यं, कृत्ति वासेश्वर दर्शन और पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:31 से 9:54 तक, लाभ-अमृत 9:54 से 12:41 तक, शुभ 2:04 से 3:28 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 6:14

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नये-पुराने मित्रों से संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आज नये-पुराने मित्रों से संपर्क हो सकता है।

धनु

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 190 प्रभात अजमेर, रविवार 15 फरवरी, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका व यूरोप के बीच कुछ मेल मिलाप की स्थिति बनी?

अमेरिका के ''सेक्रेटरी ऑफ स्टेट'' (विदेश मंत्री) मार्क रूबियो के वक्तव्य से उन रिश्तों में कुछ मिठास लौटी

- लगभग एक साल से यूरोप व अमेरिका के बीच रिश्तों में कुछ खटास आ गई, जब से अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि अब समय आ गया है कि यूरोप अपनी सुरक्षा की स्वयं ही जिम्मेवारी संभाले। उपराष्ट्रपति वैंस ने यह भी कहा था कि अमेरिका अब यूरोप की सुरक्षा का खर्चा नहीं उठायेगा।
- मार्क रूबियो ने उपराष्ट्रपति की टिप्पणी को काटा तो नहीं, पर, बड़े मीठे शब्दों में कहा कि अमेरिका यूरोप की ''संतान'' है। अमेरिका बिना यूरोप के कुछ भी नहीं। अमेरिका का केवल ढाई सौ साल पुराना इतिहास है, न ही पुराना साहित्य और न ही यूरोप जैसा आर्किटैक्चर (स्थापत्य कला) की पृष्ठभूमि है।
- ट्रंप की ग्रीनलैंड को अधिग्रहित करने की स्कीम ने भी यूरोपीय देशों को निद्रा से जगा दिया और यूरोपीय देशों को आपस में व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रेरणा को और मजबूती मिली ''रूसो फोबिया'' (रूस से भयभीत होने की आदत) से।
- मार्क रूबियो के ठंडे ''छीटों'' से यूरोप ने कुछ आराम तो महसूस किया, पर, अमेरिका व यूरोप के मौलिक मतभेद फिर भी बरकरार हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फ़रवरी। वार्षिक म्यूनिख सिक्युरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी) जो दुनिया का सबसे प्रभावशाली और ताकतवर सुरक्षा मंच बन चुका है, में अमेरिका और यूरोप जैसे सहयोगियों के बीच रिश्तों में कुछ नरमी देखने को मिली।

पिछले साल के सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने यूरोप के नेताओं को चौंका दिया था। उन्होंने यूरोप की रक्षा जरूरतों को पूरा करने में उसकी पूरी तरह नाकामी की कड़ी आलोचना की थी। वेंस ने यह भी कहा था कि यूरोप अपनी सोच और नीतियों के कारण सभ्यता के मिटने के करीब पहुंच गया है।

वेंस के भाषण के बाद, एक साल तक द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से सबसे करीबी सहयोगी रहे यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में दूरी बढ़ने लगी थी। अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि वे अब यूरोप की सुरक्षा का पूरा खर्च नहीं उठाएगा।

इस साल के सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने ज्यादा नरम रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप एक साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि अमेरिका, यूरोप की ही संतान है। पिछले साल वेंस की कड़ी आलोचना के बाद रुबियो का भाषण यूरोपीय देशों के लिए राहत देने वाला रहा।

संभवत: वैलेंटाइन डे के मौके पर रुबियो उस महाद्वीप को नाराज नहीं करना चाहते थे जिसे कभी अमेरिका का ''मातृ देश'' कहा जाता था। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप को अपने मूल मूल्यों और सभ्यतागत जुड़ाव को फिर से मजबूत करना चाहिए, जिसने दोनों को साथ जोड़ा था।

आखिर यूरोप के बिना अमेरिका क्या है, उसका इतिहास 250 साल से ज्यादा पुराना नहीं है, उसके पास यूरोप जैसी साहित्यिक परंपरा नहीं है और न ही यूरोप जैसी वास्तुकला, संगीत या युद्धों का इतिहास है।

कुल मिलाकर, मार्क रुबियो ने यूरोपीय उदारवादी देशों और अमेरिका के बीच सोच के बुनियादी अंतर को बनाए रखा। इन यूरोपीय देशों का प्रतिनिधित्व फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज जैसे नेता करते हैं।

अमेरिकी मूल्यों में ईसाई धर्म और यूरोप की विरासत को बचाने के लिए इमिग्रेशन पर अंकुश लगाना शामिल है। ये विचार भले ही अभिजात्य वर्ग से दूर हों, पर दक्षिणपंथियों के अनुकूल हैं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'पिच से ज्यादा तनाव पिच के बाहर होता है'

- पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के सवाल पर गोल-मोल जवाब दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के सवाल पर बेहद चतुराई से जवाब दिया।

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले से पहले का माहौल हमेशा की तरह बेहद रोमांचक है, लेकिन मैदान के बाहर तनाव अक्सर ज्यादा भारी महसूस होता है।

कोलंबो में इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से भरे हॉल में खड़े पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा आक्रामक से ज्यादा चिंतनशील नज़र आए। उन्होंने सिर्फ रणनीति की ही बात नहीं की, बल्कि क्रिकेट के उस सीधे, सरल दौर की वापसी की इच्छा जताई, जब दर्शकों का शोर खेल के लिए होता था, न कि भू-राजनीतिक परिस्थितियों के लिए।

जब उनसे पूछा गया कि यदि भारतीय खिलाड़ी आगे बढ़कर हाथ मिलाने की पहल करें तो क्या वे तैयार

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'कट्टरपंथी हिंदुत्व व भारत में शेख हसीना की उपस्थिति से असहज है बांग्लादेश'

बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने एक इन्टरव्यू में भारत-बांग्लादेश के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों में दो बाधाएं गिनाईं

- तारिक रहमान के अनुसार, शेख हसीना ने 1500 व्यक्तियों को मरवा कर, भारत में पनाह ली है।
- तारिक रहमान के अनुसार, पाकिस्तान में भी धार्मिक कट्टरपंथी विचार पनप रहे हैं, इन कट्टरपंथी सोच पर नियंत्रण रखने के लिए, भारत व बांग्लादेश में आपसी सहयोग व जानकारियां साझा करने की जरुरत है।
- भारत को यह ज्ञात होना चाहिए कि शेख हसीना व अवामी लीग का अब कोई अस्तित्व नहीं है बांग्लादेश में तथा अब बांग्लादेश स्वतंत्र विदेश नीति अपनाना चाहता है। पिछले 15 वर्षों में बांग्लादेश की विदेश नीति पूर्णतया भारत की विदेश नीति का अनुसरण करती आई है पर अब बांग्लादेश एक संतुलित विदेश नीति अपनाना चाहता है।
- पर, विदेश नीति से ज्यादा भावी प्र.मंत्री की प्राथमिकता होगी बांग्लादेश को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना। इस ''डोमैस्टिक प्राथमिकता'' के पूर्ण होने पर बांग्लादेश के प्र.मंत्री, मोदी के निमंत्रण पर भारत आएंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। हाल ही में हुए चुनाव में भारी जीत के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारत के सामने दो अहम चिंताएं उठाई हैं। पहला, दक्षिण एशिया में बढ़ते कट्टरपंथ और भारतीय समाज में हिंदू उग्रवाद तथा अतिदक्षिणपंथी असहिष्णुता का मुद्दा। दूसरा, दोनों देशों के बीच रिश्तों को फिर से ठीक करना, जिसमें भारत को ''शेख हसीना जैसे आतंकी को रोकने की ज़रुरत को समझने की ज़रुरत बताई गई है, जिनपर 1500 या इससे ज्यादा लोगों की हत्या का आरोप है, और जो भागकर भारत आ गई हैं।

बीएनपी अध्यक्ष और संभावित बांग्लादेश प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने बढ़ते कट्टरपंथ के मुद्दे को सामान्य रूप में उठाया। उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश में मौजूद उग्रवादी तत्वों का भी जिक्र किया, हालांकि उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में इसका स्तर कम है। उन्होंने कहा, इसी कारण हमें आतंकवाद विरोधी सबूत और आकलन साझा करने तथा सहयोग मजबूत करने की ज़रुरत है। इस सोच में बदलाव लाने के लिए कबीर ने जिम्मेदारी भारत पर डालते हुए कहा कि ''भारत को समझना चाहिए कि

(शेष पृष्ठ 5 पर)

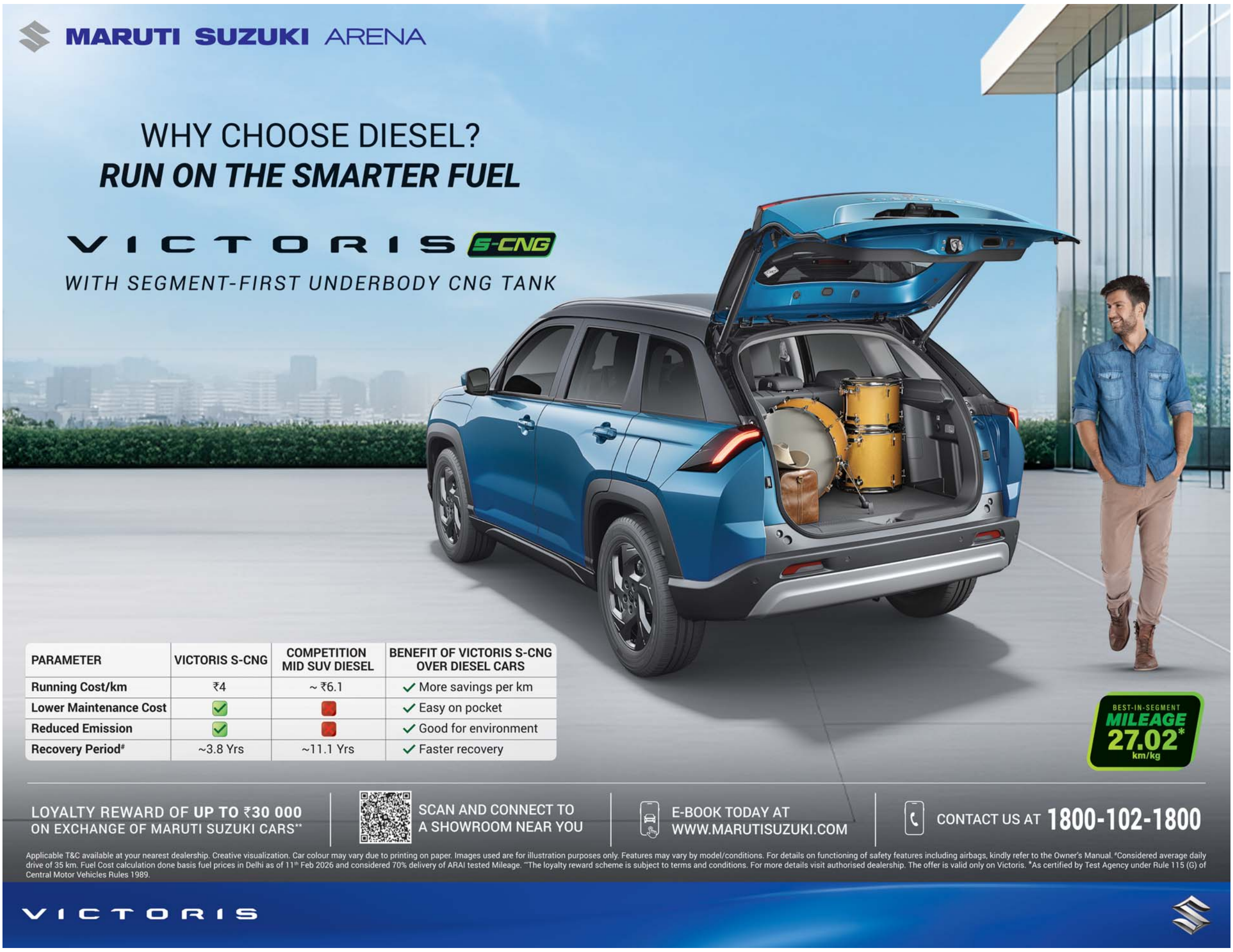

कोटा में आवारा श्वान ने मासूम बच्ची पर हमला कर कई जगह से काटा

नयापुरा इलाके में बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, तभी आवारा श्वान ने हमला कर दिया

- डॉग ने पहले बालिका के पैर पर काटा, फिर हाथ पर हमला किया और उसके बाद मुंह, होंठ, जबड़े और चेहरे पर गहरे जख्म कर दिए
- इसके बाद आवारा श्वान बालिका को मुंह में दबाकर खींचने लगा और ले जाने की कोशिश की
- बालिका की चीखें सुनकर पड़ौसी और परिवार वाले दौड़े आए, बालिका की बुआ ने डॉग पर डंडे से वार किया तो डॉग बालिका को छोड़कर भाग गया

कोटा, (निसं)। शहर में आवारा श्वान का आतंक एक बार फिर सामने आया है। शहर के नयापुरा इलाके में एक दो साल की मासूम बालिका पर स्ट्रीट डॉग ने हमला कर दिया। बालिका मिस्टी घर के बाहर लगे नल के पास पर खेल रही थी, तभी एक आवारा श्वान आया और उस पर टूट पड़ा। डॉग के हमले में बालिका गंभीर रूप घायल हो गई, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है।

डॉग ने पहले बालिका के पैर पर काटा, फिर हाथ पर हमला किया और उसके बाद मुंह, होंठ, जबड़े और चेहरे पर गहरे जख्म कर दिए। इतना ही नहीं, डॉग बालिका को मुंह में दबाकर खींचने लगा और उसे ले जाने की कोशिश करने लगा। बालिका की चीखें सुनकर पड़ौसी और उसके परिवार वाले दौड़े आए। बालिका की बुआ ने दौड़कर डॉग पर डंडे से वार किया, जिसके बाद डॉग बालिका को छोड़कर भाग गया।

बालिका के चाचा भावेश ने बताया कि घटना के तुरंत बाद बालिका को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि डॉग के हमले में उसके चेहरे, होंठ और जबड़े पर कई जगह गहरे कट लगे हैं। अब उसकी प्लास्टिक सर्जरी करानी होगी, जिसके लिए उसे निजी अस्पताल में दिखाया जा रहा है। भावेश ने बताया कि इलाके में आवारा डॉग्स की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। छोटे बच्चों का घर से बाहर निकलना अब मुश्किल हो गया है। गनीमत रही कि समय पर मासूम को बचा लिया गया वरना आवारा डॉग उसकी जान ले सकता था।

दो करोड़ के 6067 किलो अफीम के पौधे जब्त, दो जने गिरफ्तार

कैलादेवी थाना क्षेत्र के धौरेरा हार में सरसों के खेतों के बीच अफीम की खेती मिली

करौली/जयपुर। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन शिकंजा के तहत करौली जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने कैलादेवी थाना क्षेत्र के धौरेरा हार में छापेमारी कर 6067 किलोग्राम अवैध अफीम के हरे पौधे बरामद कर दो जनों को गिरफ्तार किया हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन पौधों की कीमत करीब दो करोड़ रुपये आंकी गई है।

एसपी सोनवाल ने बताया कि तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए एक शातिर तरीका अपनाया था। आरोपियों ने अपने खेतों में ऊँची और घनी सरसों की फसल बोई थी और उसके ठीक बीचों-बीच अफीम की अवैध खेती कर रखी थी ताकि किसी को शक न हो। मुखबिर की सटीक सूचना पर जब पुलिस टीम ने खेतों के भीतर प्रवेश किया, तो वहां अफीम के पौधों का जखीरा देखकर दंग रह गई। कैलादेवी थानाधिकारी राम अवतार मीना के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी चौरसिंह मीना (37) के खेत से 2955.400 किलो और मनकेश उर्फ पिन्टू मीना (32) के खेत से 3112.400 किलो अफीम के पौधे बरामद हुए। पुलिस ने 285 प्लास्टिक के कट्टों में इन पौधों को भरकर जब्त किया है। घटना में शामिल एक अन्य आरोपी घनश्याम उर्फ घासू मीना की तलाश जारी है। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस ने नए क्रिमिनल लॉ का पालन करते हुए ई-साक्ष्य ऐप का उपयोग किया। सर्च और जब्ती की पूरी वीडियोग्राफी क्लाउड पर अपलोड की गई ताकि साक्ष्यों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। मौके पर नायब तहसीलदार मुनीराम मीना और हल्का पटवारी को बुलाकर राजस्व रिकॉर्ड की पुष्टि भी की गई। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इन पौधों से अफीम निकालकर कहां सप्लाई की जानी थी और इस नेटवर्क के पीछे और कौन से बड़े चेहरे शामिल हैं।

भीलवाड़ा के निजी अस्पताल में इंजेक्शन से युवती की मौत

- परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाकर धरना शुरु किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के एक निजी अस्पताल में शनिवार को उस समय भारी तनाव व्याप्त हो गया, जब उपचार के दौरान एक 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गलत इंजेक्शन लगाने और इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में ही धरना शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार, रेनवास निवासी रवीना (18) पुत्री भंवर बलाई को पेट दर्द की शिकायत होने पर परिजनों द्वारा निजी अस्पताल लाया गया था। परिजनों का कहना है कि भर्ती किए जाने तक रवीना की स्थिति सामान्य थी, लेकिन उपचार के दौरान जैसे ही उसे एक इंजेक्शन लगाया गया, उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। कुछ ही मिनटों में युवती ने दम तोड़ दिया। युवती की मौत की खबर मिलते ही गांव से बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मृतका के आश्रितों को 50 लाख रुपये का उचित मुआवजा, संबंधित डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के खिलाफ मेडिकल लापरवाही का मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने, अस्पताल की जांच कर लापरवाही सिद्ध होने पर उचित वैधानिक कदम उठाए जाने की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अस्पताल परिसर में बढ़ते तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारियों द्वारा परिजनों को शांत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल अस्पताल में माहौल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। परिजन अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं और देर शाम तक तक शव उठाने को तैयार नहीं थे। अस्पताल प्रबंधन की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

दुष्कर्म का मामला दर्ज : उदयपुर में पीड़िता का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी राकेश पुत्र वैसाराम के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 12 फरवरी को आरोपी मुझे अपहरण कर उसके घर ले गया। जहां उसने मेरे साथ दुष्कर्म किया तथा किसी को नहीं बताने की हिदायत देकर छोड़ दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच फलासिया थानाधिकारी सीताराम को सौंपी है।

कार्डियक अरेस्ट से हुई थी साध्वी प्रेम बाईसा की मौत, पुलिस ने 18वें दिन खुलासा किया

'साइंटिफिक जांच और इन्वेस्टिगेशन में साध्वी के शरीर में जहर नहीं पाया गया है'

- जांच में यह भी सामने आया है कि इलाज के दौरान कंपाउंडर देवी सिंह की ओर से नियमों की अनदेखी की गई, इस स्थिति में लापरवाही सामने आई
- पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि 12 फरवरी को मिली एफएसएल रिपोर्ट और हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड ने निष्कर्ष निकाला है कि मौत कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट से हुई थी

जोधपुर, (कासं)। कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत हार्ट अटैक से हुई थी। जोधपुर पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने यह खुलासा शनिवार शाम किया है। पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि मेडिकल बोर्ड की विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार साध्वी की मौत का मुख्य कारण फेफड़ों की गंभीर बीमारी के चलते आया हार्ट अटैक (कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट) था। हालांकि, जांच में यह भी सामने आया है कि इलाज के दौरान कंपाउंडर देवी सिंह की ओर से नियमों की अनदेखी की गई। इस स्थिति में लापरवाही सामने आई। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि 12 फरवरी को मिली एफएसएल रिपोर्ट और हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड ने निष्कर्ष निकाला है कि मौत शॉक के कारण हुई, जो फेफड़ों की बीमारी के परिणामस्वरूप आए कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट से हुई।

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि साइंटिफिक जांच और इन्वेस्टिगेशन में साध्वी के शरीर में जहर नहीं पाया गया है। साथ ही किसी भी प्रकार के यौन अपराध या बाहरी व आंतरिक चोट के निशान भी शरीर पर नहीं मिले हैं। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए गठित एसआईटी ने इस मामले में हर स्तर पर साक्ष्य जुटाए हैं। उन्होंने बताया कि जांच दल ने अब तक 44 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। साथ ही 106 लोगों की कॉल डिटेल और सोशल मीडिया एक्टिविटी का विश्लेषण किया गया है। साध्वी की मेडिकल हिस्ट्री खंगाली गई, जिसमें वे किन डॉक्टरों के संपर्क में थी और पूर्व में कौन सी दवाइयां ले रही थी, इसका पूरा ब्योरा जुटाया गया है। घटनाक्रम की सटीक टाइमलाइन तैयार करने के लिए सीसीटीवी फुटेज और उस दौरान मिलने वाले लोगों के बयानों का सहारा लिया गया है। जांच में सबसे गंभीर तथ्य कंपाउंडर देवी सिंह की ओर से दिए गए इंजेक्शन को लेकर सामने आया है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर शहर के बोरानाडा इलाके में आरती नगर स्थित आश्रम में 28 जनवरी को साध्वी प्रेम बाईसा की तबीयत बिगड़ी थी। तब उन्हें जुकाम होने और सांस लेने में परेशानी होना बताया गया था। तब इलाज के लिए कंपाउंडर देवीलाल सिंह को बुलाया गया था। कंपाउंडर देवीसिंह ने दो इंजेक्शन लगाए थे। इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद उनकी तबीयत अचानक और ज्यादा बिगड़ गई थी। परिजन उन्हें लेकर पाल रोड स्थित प्रेक्षा हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया था। साध्वी के पिता वीरमनाथ हॉस्पिटल से शव को आरती नगर स्थित आश्रम ले आए थे। पुलिस की दखल के बाद देर रात को शव एमजीएच मोर्चरी में रखवाया था। इसके अगले दिन 29 जनवरी को देर शाम एमजीएच हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया था। तीस जनवरी को बाड़मेर के परेऊ गांव में साध्वी प्रेम बाईसा को समाधि दी गई थी। दो फरवरी को विसरा सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। 11 दिन में एफएसएल जांच पूरी हुई। इसके बाद रिपोर्ट गुरुवार को जोधपुर पुलिस को सौंप दी गई। पुलिस ने एफएसएल जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर विशेषज्ञों से भी राय ली।

नागौर में अवैध खनन पर कार्रवाई, दस करोड़ के वाहन व मशीनें जब्त

खींवसर क्षेत्र में पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया

जयपुर/नागौर। अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए नागौर पुलिस ने खींवसर क्षेत्र में चल रहे माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के नेतृत्व में खींवसर पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रेमनगर की सरहद से करीब 10 करोड़ रुपये कीमत की मशीनें और वाहन जब्त कर खनन माफियाओं में हड़कंप मचा दिया।

एसपी कच्छावा ने बताया कि पुलिस टीम ने जब प्रेमनगर और बैरावास की सीमा पर दबिश दी तो वहां अवैध खनन का बड़ा खेल चल रहा था। पुलिस ने मौके से पहाड़ों का सीना चीरने वाली चार विशालकाय चैन माउंटेड एलएनटी पोकलेन मशीनें, तीन जेसीबी, चार भारी भरकम डम्पर और तीन ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इसके अलावा माफियाओं द्वारा निगरानी में इस्तेमाल की जाने वाली एक स्कॉर्पियो और एक मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने जब्त किया है। 16 वाहनों को भारी जाप्ते के साथ थाने लाकर खड़ा किया गया है। वहीं पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त नौ आरोपियों को धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी न केवल नागौर, बल्कि जोधपुर ग्रामीण, डीग, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और ब्यावर जैसे अलग-अलग जिलों के निवासी हैं, गिरफ्तार आरोपियों में राधाकिशन, मदनलाल, जलीस, विष्णु, राजमल, नेमाराम, देवराजसिंह, शंकरसिंह और सुरेश कुमार चौधरी शामिल हैं।

इस पूरी कार्यवाही को सफल बनाने में खींवसर थानाधिकारी कन्हैयालाल और डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार की टीम का विशेष योगदान रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी और वृत्ताधिकारी धरम पुनिया के सुपरविजन में टीम ने इतनी गोपनियता से दबिश दी कि माफियाओं को भागने का मौका तक नहीं मिला। एसपी कच्छावा ने साफ कर दिया है कि नागौर की धरती पर अवैध खनन और प्राकृतिक संसाधनों की लूट बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

14 लाख के गबन मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

- बैंक से 14 लाख से अधिक का गबन किया था, नोखा पुलिस ने पकड़ा

नोखा, (निसं)। पुलिस ने भारत फाइनेंशियल लिमिटेड बैंक से 14 लाख 28 हजार 797 रुपए के गबन के मामले में दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डीडवाना से की गई। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि परिवादी मनीष यादव ने नोखा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि बैंक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को ऋण प्रदान करती है। बैंक के फील्ड ऑफिसर शक्ति सिंह, राकेश, मनीष यादव, कमल डेरू और दिनेश पर अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप है।

आरोप है कि इन अधिकारियों ने 72 महिलाओं को बड़ा ऋण पास कराने का झांसा दिया। इसके बाद उन्होंने ऋण की राशि और किस्तों के पैसे सीधे महिलाओं से ले लिए, लेकिन उन्हें बैंक में जमा नहीं कराया। सत्यापन के बाद इन लोगों पर 14,28,797 रुपए के गबन का आरोप लगा। इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने यह कार्रवाई की।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नागौर जिले के दागड़ी खेरवा निवासी शक्ति सिंह और डीडवाना कुचामन जिले के बंधा पायतान, खिंचिया बासनी निवासी राकेश शामिल हैं। आरोपियों से पूछताछ और आगे की जांच जारी है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक तनसुखराम, कॉन्स्टेबल सतीश कुमार और कॉन्स्टेबल खुशराज शामिल थे।

आरटीई की नई गाइडलाइन जारी, चार क्लासों में फ्री एडमिशन होगा

- 20 फरवरी से आवेदन शुरू होंगे, 6 मार्च को लॉटरी निकाली जाएगी

बीकानेर, (निसं)। यहां प्राइवेट स्कूलों में पहली बार नर्सरी से लेकर पहली क्लास तक यानी 4 क्लासों में राइट टू एजुकेशन के तहत एडमिशन हो पाएगा। इसके लिए 20 फरवरी से आवेदन शुरू हो जाएंगे, जबकि 6 मार्च को लॉटरी निकाली जाएगी। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय ने इसके लिए विस्तृत कार्यक्रम जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि इस बार नर्सरी से पहली क्लास तक यानी कुल 4 क्लास में आरटीई से फ्री एडमिशन दिया जाएगा।

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय की सहायक निदेशक और आरटीई एडमिशन प्रभारी चंद्र किरण पंवार ने बताया कि नर्सरी क्लास में 3 से 4 साल तक और फर्स्ट क्लास में 6 से 7 साल तक के स्टूडेंट्स को एडमिशन दिया जा रहा है। नर्सरी और पहली क्लास में ही एडमिशन हो पाता था। पेरेंट्स या तो नर्सरी या फिर पहली क्लास के लिए ही आवेदन कर सकते थे। इस बार शिक्षा विभाग ने इसमें बदलाव करते हुए चार क्लासों को जोड़ा है। इसके तहत नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी और पहली क्लास में एडमिशन हो पाएंगे। प्री प्राइमरी 3 प्लस यानी नर्सरी में 3 साल से अधिक और 4 साल से कम उम्र के स्टूडेंट्स, प्री प्राइमरी 4 प्लस यानी एलकेजी में 4 वर्ष से 5 वर्ष तक के स्टूडेंट्स, प्री प्राइमरी 5 प्लस यानी यूकेजी में 5 वर्ष से अधिक और 6 वर्ष से कम आयु के स्टूडेंट्स और फर्स्ट क्लास में 6 वर्ष से अधिक और 7 वर्ष से कम उम्र के स्टूडेंट्स को एडमिशन मिल सकेगा। सभी प्राइवेट स्कूलों में पिछले 3 सालों में नर्सरी से फर्स्ट क्लास तक के एडमिशन की संख्या को देखा जाएगा। ये संख्या पहले से शिक्षा विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध है। इस संख्या के आधार पर एक एवरेज संख्या तय होगी। इसी संख्या की 25 प्रतिशत सीट पर फ्री एडमिशन दिया जाएगा। अगर इस संख्या के आधार पर एलकेजी में 10 सीट आती है और नर्सरी से प्रमोट होकर 8 स्टूडेंट्स आ गए हैं तो शेष 2 सीट पर एडमिशन होगा। इसी तरह यूकेजी में अगर कुल 10 सीट है और 5 सीट खाली है तो 5 पर एडमिशन होगा। ऐसा ही फॉर्मूला क्लास फर्स्ट के लिए रहेगा। कई बार नर्सरी में एडमिशन लेने के बाद स्टूडेंट्स एलकेजी या यूकेजी में स्कूल छोड़ देते हैं। ऐसे में प्राइवेट स्कूल इस खाली सीट पर फ्री एडमिशन नहीं दे पाते थे। अब ये खाली सीटें भर जाएगी, जिससे प्रदेश में फ्री एडमिशन पाने वाले स्टूडेंट्स की संख्या में बढ़ोतरी होगी।

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व का "बाघ टी 2407" बन सकता है "बाघिन महक" का साथी

- प्रदेश की सबसे उम्रदराज बाघिन महक कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में बीते डेढ़ साल से अकेली है
- रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से बाघ टी 2407 को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट करने के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा

प्रदेश की सबसे उम्रदराज बाघिन महक।

कोटा, (निसं)। प्रदेश की सबसे उम्रदराज "बाघिन महक" कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में बीते डेढ़ साल से अकेली है, जिसके लिए साथी ढूंढा जा रहा है। यह तलाश सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में आदमखोर हो चुके तीन वर्षीय "बाघ टी 2407" पर पूरी हुई है, जिसको कोटा लाए जाने पर सहमति बनी है। इसको लेकर नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) से अनुमति मांगी गई है। रणथम्भौर इस बाघ को देने के लिए तैयार है। अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क लेने के लिए तैयार है। दोनों के वाइल्डलाइफ वार्डन को इस संबंध में पत्र भी भेज दिया है। दोनों बाघ और बाघिन की जोड़ी बन सकती है, लेकिन ब्रीडिंग के चांस काफी कम है। यह केवल एक-दूसरे को संबल दे सकेंगे।

कोटा के उपवन संरक्षक वन्यजीव अनुराग भटनागर का कहना है कि केप्टिविटी में रखे हुए टाइगर टी 2407 के संबंध में जानकारी मिली थी। ऐसे में उन्होंने रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से इस टाइगर को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट करने के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र लिख दिया है, जहां से एनटीसीए को पत्र भेजा गया है। एनटीसीए की परमिशन आ जाने के बाद इसे शिफ्ट किया जा सकता है। वहीं रणथम्भौर टाइगर रिजर्व प्रबंधन भी इस टाइगर को शिफ्ट करने के लिए सहमत है। उन्होंने भी इस तरह का पत्र वाइल्डलाइफ वार्डन को भेजा हुआ है। इसके बाद 21 साल 5 माह की बाघिन का साथी युवा बाघ बन सकता है। अनुराग भटनागर का कहना है कि जब केप्टिविटी में टाइगर को रखना ही है तो उसे जू या बायोलॉजिकल पार्क में रखा जा सकता है। दूसरे वन्यजीव को उससे कोई परेशानी भी नहीं होगी। ऐसे में कोटा में जब बाघिन महक अकेली है तो उसको साथी भी मिल जाएगा।

अनुराग भटनागर का कहना है कि जंगल में रहने वाले बाघ की उम्र 12 से 14 साल के बीच ही रहती है जबकि केप्टिविटी में रहने वाले बाघ 16 से 18 साल तक जीते हैं, लेकिन 21 साल तक जीना, बेहतर सुविधा मिलना और अच्छा उपचार होना ही है। राजस्थान के बायोलॉजिकल पार्क और चिड़ियाघर में महक और उसकी बहन रंभा की अच्छी सेहत का राज भी यही है। उनका कहना है कि महक बीते डेढ़ साल से अकेली जरूर है, लेकिन वह पूरी तरह से मजबूत और पूरे एंक्लोजर में घूमती रहती है। वह एंक्लोजर के बाहरी एरिया में ही ज्यादा रहती है, जिससे पर्यटकों को नजर भी आती रहती है। इतनी उम्र होने के बाद भी वह अच्छी और लगभग फिट जैसी ही है। दरअसल साल 2004 में 28 अगस्त को बाघिन चंदा ने चार शावकों को जन्म दिया था। उसमें रंभा, महक, गौरी और रुद्र शामिल थे। इनमें केवल बाघिन महक ही जीवित है।

टाइगर मैन दौलत सिंह शक्तावत का कहना है कि आदमखोर होने के बावजूद भी टाइगर अपनी प्रजाति के दूसरे वन्य जीव पर हमला नहीं करता है। रिजर्व में अपनी टेरिटरी को लेकर बाघों में झगड़ा जरूर होता है। इस संघर्ष में बाघों की जान चली जाती है लेकिन अधिकांश मामलों में फाइट होने के बाद कमजोर बाघ अपनी दूसरी टेरिटरी खोजने में जुट जाता है। अपनी ही प्रजाति के दूसरे वन्य जीव पर हमला कैनिबलिज्म बोला जाता है। यह बहुत कम देखने को मिलता है, क्योंकि अधिकांश कार्निवोरस वाइल्ड एनिमल हरबिबोर का ही शिकार करते हैं। इसीलिए आदमखोर होने के बावजूद भी टाइगर टी 2407 बाघिन महक के साथ आसानी से रह सकता है।

शक्तावत का कहना है कि बाघिन अपने जीवनकाल में तीन से चार बार शावकों को जन्म दे सकती है। शावक को जन्म देने की उम्र 12 साल के आसपास रहती है। अमूमन 12 साल के बाद बाघिन के शावक होने की संभावना काफी कम रहती है। ऐसे में बाघिन महक को एकाकीपन में मदद मिलेगी। एकाकी जीने से लाइफ स्पान कम हो जाता है। जवानी में दिखाई नहीं देता है। हालांकि उम्र होने पर संबल की जरूरत होती है सोशल बॉन्डिंग बढ़ जाएगी। केप्टिविटी यानी जू व बायोलॉजिकल पार्क में रहने वाले वन्य जीव के लिए प्रे (शिकार या भोजन) की व्यवस्था राज्य सरकार करती है और इन्हें पर्यटकों से होने वाली आमदनी के अलावा राज्य सरकार से जारी होने वाले बजट के जरिए प्रे उपलब्ध करवाया जाता है। जबकि खुले जंगल में या रिजर्व में रहने वाले वन्य जीव को स्वयं प्रे की व्यवस्था करनी होती है। उनके लिए ऐसा कोई बजट नहीं होता है। ऐसे में रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में वर्तमान में टाइगर टी 2407 को केप्टिविटी में रखा गया है। बीते कई महीने से वह कैद में है, इसलिए उसके प्रे की व्यवस्था करना रिजर्व प्रबंधन की जिम्मेदारी हो गई है। इसमें काफी समस्या का सामना भी उन्हें करना पड़ रहा है। इसी के चलते उन्होंने इसे जून में शिफ्ट करने के लिए भी पत्र लिखा है।

वन विभाग टीम पर हमला, रेंजर घायल

उदयपुर, (निसं)। वन विभाग भूमि से अतिक्रमण हटाने पर रेंजर व साथी कर्मचारियों पर अतिक्रमियों ने हमला कर दिया। हमले में रेंजर घायल हो गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जिले के पानरवा वन विभाग रेंज के रेंजर राजेश कुमार पुत्र शांतिलाल परमार निवासी सतीरामपुर सदर डूंगरपुर ने जूनीपादर निवासी मीठा पुत्र भोमा गमार, होलिया पुत्र भेमा, थावरा पुत्र अन्ना निवासी माण्डवा सहित अन्य लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि गत दिनों पानवा वन रेंज में आरोपियों द्वारा कब्जा करने की सूचना मिली थी। इस पर 12 फरवरी को वन विभाग अधिकारी एवं पुलिस जाब्ता ने अतिक्रमण हटाया था। इससे आक्रोशित आरोपियों ने हमला कर दिया था।

दुष्कर्म के मुख्य आरोपी सहित सहयोगी को पकड़ा

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की पुलिस टीम ने नाबालिग से दुष्कर्म के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि एक 14 वर्षीय नाबालिग पीड़िता ने थाने में 12 फरवरी को प्रार्थना पत्र दिया। शिकायत में कहा कि दिलसान नाम के युवक ने अप्रेल 2025 में उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को घटना के बारे में नहीं बताने को लेकर धमकी दी। शिकायत में कहा कि 12 फरवरी को जब वह उसके चाचा के घर पर थी तो दिलसान ने फोन करके उसको बुलाया और दिलसान के साथ उसका मित्र शाहरूख भी मौजूद था। दिलसान ने उसके साथ दुबारा गलत काम किया और उसका मित्र शाहरूख दूर खड़े होकर निगरानी कर रहा था। ग्रामीण एसपी ने कहा कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। सांगोद थानाधिकारी अनिल कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई, गठित टीम ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये जगह-जगह दबिश दी। ग्रामीण एसपी ने बताया कि दोनों आरोपियों पर 5-5 हजार रूपये की इनाम राशि घोषित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी अनिल कुमार ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दिलसान को बोरखेड़ा कोटा से डिटेन किया एवं उसके सहयोगी आरोपी शाहरूख को डिटेन कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

विंग कमांडर के घर लाखों की चोरी

जोधपुर, (कासं)। एयरफोर्स एरिया में रहने वाले विंग कमाण्डर के घर से लाखों के आभूषण चोरी हो गए। इसमें उनकी तरफ से अपनी नौकरानी पर संदेह जाहिर करते हुए रिपोर्ट दी गई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज किया है, अग्रिम जांच की जा रही है। घटना 11-12 फरवरी के बीच की है।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि नई दिल्ली के रोहिणी स्थित आकाश गंगा अपार्टमेंट हाल बाड़मेर एयरफोर्स स्टेशन में तैनात विंग कमाण्डर परिवेला तेजोधर का एक मकान यहां एयरफोर्स स्टेशन में आया हुआ है। दो तीन दिन पहले उन्होंने अपने घर में सूटकेस में पांच डायमंड रिंग, एक सोने की चेन, ब्रासलेट, पेडेंट व अन्य छोटे सोने के आभूषण रखे थे। बाद में वह सूटकेस को लॉक करना भूल गए। घटना के समय घर की नौकरानी वहीं पर मौजूद थी। शुक्रवार को जब सूटकेस संभाला तब आभूषण उसमें नहीं मिले। नौकरानी से भी पूछताछ की गई, मगर संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया। इस पर उन्होंने एयरपोर्ट थाने में इसकी रिपोर्ट दी। फिलहाल प्रकरण दर्ज किया गया है।

डोडा-चूरा सहित आरोपी को पकड़ा : कोटा में सुल्तानपुर पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान अवैध मादक पदार्थ डोडा- चूरा सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सुल्तानपुर थानाधिकारी अंकित कुडी ने मय जाब्ता इलाके में गश्त व चैकिंग के दौरान झोटोली रोड नर्सरी के पास एक जने पर संदेह होने पर उसे रोककर डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया।

भारत की टीम मजबूत और संतुलित है, लेकिन मैच के दौरान धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखना जरूरी होगा। उन्होंने कहा,भारत यह मैच जीतेगा। पाकिस्तान के पास उस्मान तारिक जैसा अच्छा स्पिनर है, इसलिए उसे संभलकर खेलना होगा।

- हरभजन सिंह

पुर्व भारतीय खिलाड़ी भारत व पाक मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लोर्कन टकर

आयरलैंड के लिए कप्तान लोर्कन टकर ने 10 चौके और चार छक्के की मदद से 51 बॉल पर नाबाद 94 रन बनाए। टकर यदि 6 रन और बनाते, तो वो टी20 वर्ल्ड कप में शतक जड़ने वाले पहले कप्तान बन जाते। लेकिन वो इतिहास रचने से चूक गए। जॉर्ज डॉकरेल ने पारी के आखिरी ओवर में टकर को दोबारा स्ट्राइक नहीं दिया और बड़े-बड़े शॉट्स लगाए। इसमुकाबले में आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बना डाले साथ ही मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप किसी टीम का ये उच्चतम स्कोर भी है। साथ ही आयरलैंड ने टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी दर्ज किया।

क्या आप जानते हैं ?... विल्ट चेम्बरलेन ने एक सीज़न में उच्चतम पीपीजी औसत (50.4), एक सीज़न में उच्चतम एमपीजी औसत (48.5) और एक ही गेम में सबसे अधिक अंक (100)

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मुकाबले

पहला मैच वेस्ट इंडीज व नेपाल सुबह 11 बजे

दूसरा मैच अमेरिका व नामीबिया दोपहर 3 बजे

तीसरा मैच भारत व पाकिस्तान शाम 7 बजे

साउथ अफ्रीका की लगातार तीसरी जीत, न्यूजीलैंड की पहली हार

नई दिल्ली 15 फरवरी। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने शनिवार के तीसरे मैच में न्यूजीलैंड को 3 विकेट से हराया। इस जीत से टीम ग्रुप डी की पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है। जबकि न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। अफ्रीकी टीम ने 176 रन का टारगेट 17.1 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया।

डेविड मिलर ने सिक्स लगाकर टीम को जीत दिलाई। जबकि ऐडन मार्करम ने नाबाद 86 रनों की पारी खेली। उन्होंने 44 बॉल की पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। मिलर ने नाबाद 24 रन बनाए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 21, रायन रिकेल्टन ने 21 और क्विंटन डी कॉक ने 20 रन का योगदान दिया। कीवियों की ओर से मार्क चापमन ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 32 और फिन एलन ने 31 रन का योगदान दिया। मार्क यानसन ने 4 विकेट झटके।

कुंबले-द्रविड़ के नाम पर दो स्टैंड्स होंगे

नई दिल्ली 15 फरवरी। बेंगलुरु का एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के 50 साल इंटरनेशनल क्रिकेट के पूरे होने पर स्टेडियम के दो स्टैंड्स का नाम अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ के नाम पर रखा गया है। कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद की अगुवाई में आयोजित इस समारोह में कुंबले और द्रविड़ को भारतीय और कर्नाटक क्रिकेट में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर दोनों ही खिलाड़ी भावुक नजर आए और उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। अनिल कुंबले के लिए यह पल बेहद खास था। उन्होंने कहा,मैं पहली बार 9 साल की उम्र में एक दर्शक के तौर पर यहां मैच देखने आया था। आज इसी स्टेडियम के पवेलियन पर अपना नाम देखना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है और मैं थोड़ा इमोशनल भी हूं। चिन्नास्वामी स्टेडियम का 50 साल का सफर दरअसल भारतीय क्रिकेट की ग्रोथ को भी दिखाता है।

आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराया

इस वर्ल्डकप का सबसे बड़ा स्कोर बना

नई दिल्ली 15 फरवरी। टी-20 वर्ल्ड कप के 22वें मुकाबले में आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। शनिवार को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मैच में ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन यह फैसला टीम के लिए उलटा साबित हुआ।

आयरलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 235 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। लॉर्कन टकर (94) को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टारगेट का पीछा करने उतरी ओमान के लिए ओपनर आमिर कलीम ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 29 हॉल पर 50 रन बनाए। उनके अलावा हम्माद मिर्जा ने 37 बॉल पर 46 रन बनाए। आयरलैंड के लिए जोशुआ लिटिल ने 3, मैथ्यू हम्फ्रीज और बैरी मैकार्थी ने 2-2 विकेट लिए। जॉर्ज डॉकरेल को 1 विकेट मिला। आशीष ओडेदरा और हम्माद मिर्जा रन आउट हुए।

आयरलैंड के लिए कप्तान लॉर्कन टकर और गैरेथ डेलानी ने शानदार अर्धशतक जड़े। टकर ने 51 गेंदों पर नाबाद 94 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि डेलानी ने 30 गेंदों में 56 रन बनाए। वहीं जॉर्ज डॉकरेल ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के जड़ते हुए महज 9 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाकर पारी को धमाकेदार अंदाज में समाप्त किया।

'हैंडशेक विवाद पर भारत व पाक कप्तान ने दी प्रतिक्रियाएं'

एशिया कप में हाथ नहीं मिलाया था

नई दिल्ली 15 फरवरी। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले से पहले शनिवार को कोलंबो में प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने हैंडशेक विवाद पर कहा- इसका जवाब हम कल मैदान पर देंगे। इसके बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से भी हैंडशेक को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर वे बोले- 24 घंटे इंतजार कीजिए, तब देखेंगे।

दरअसल पिछले साल हुए एशिया कप 2025 में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव समेत सभी प्लेयर्स ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। सूर्यकुमार ने कहा था कि उनकी टीम पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाएगी। यह फैसला पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों के सम्मान में लिया गया था।

इसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के समर्थन के तौर पर भी देखा गया था। दोनों टीमों के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला रविवार को कोलंबो में खेला जाएगा।

आगा ने माना कि वर्ल्ड कप में पाकिस्तान का रिकॉर्ड भारत के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा, इतिहास नहीं बदल सकते। रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन इस बार बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा की फिटनेस पर भी सवाल हुआ।

वे पेट की दिक्कत के कारण पिछले मैच में नहीं खेले थे। आगा ने कहा, उम्मीद है अभिषेक कल खेलें। हम सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खेलना चाहते हैं।

इंग्लैंड की दूसरी जीत, स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली 15 फरवरी। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 23वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए दिन के दूसरे मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवर में 5 विकेट गंवाकर मैच अपने नाम कर लिया।

इंग्लैंड की इस टूर्नामेंट में तीन मैचों में यह दूसरी जीत है। इससे पहले 8 फरवरी को टीम ने नेपाल को रोमांचक मुकाबले में 4 रन से हराया था।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। वहीं, स्कॉटलैंड की तीन मैचों में यह दूसरी हार रही। इससे पहले उसे वेस्टइंडीज के खिलाफ भी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

बैटन ने नाबाद 63 रन की पारी खेली टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड के लिए टॉम बैंटन ने 41 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। विल जैक्स 10 बॉल पर 16 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इनके अलावा जैकब बेथेल ने 32, सैम करन. ने 28, हैरी ब्रुक ने 4, जोस बटलर ने 3 और फिल सॉल्ट ने 2 रन बनाए। स्कॉटलैंड के लिए ब्रैंडन मैक्मुलेन, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील, ब्रैड करी और माइकल लीस्क को 1-1 विकेट मिला।

राजस्थान ने उत्तराखंड को हराया

जयपुर, 14 फरवरी। वड़ोदरा में खेली जा रही वीमेन सीनियर एक दिवसीय ट्रॉफी में आज राजस्थान ने उत्तराखंड को हराया , टीम की जीत में संगीता कुमावत का शानदार शतक , सुमित्रा जाट का आल राउंडर प्रदर्शन व चंद्रज्योत्सना भाटी का अर्धशतक। राजस्थान - उत्तराखंड मैच (राजस्थान 27 रन से जीती)। राजस्थान पारी 258 / 6, टीम के लिए संगीता कुमावत 115 , चंद्रज्योत्सनाभाटी 68 , सुमित्रा जाट 22 , तनूजा वैषणव21 व डिंपल कँवर 21 रन। उत्तराखंडकी गेंदबाज अमीषा , रीना 2 - 2 विकेट। उत्तराखंड पारी 231 आल आउट टीम के लिए राघवी70 रन। राजस्थान की गेंदबाज सुमित्रा जाट 33 / 3 , संगीता कुमावत 15 / 2 , सुमन मीणा , सिद्धि शर्मा , शानू , रिंकू टांक, सोनल कलाल 1 - 1 विकेट । हरियाणा के लाहली में खेले जा रहे राजस्थान -हरियाणाअंडर 23 मैच के दूसरे दिन राजस्थान के गेंदबाजों से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। राजस्थान - हरियाणा मैच (दूसरे दिन का स्कोर) राजस्थान पहली पारी 215 आल आउट।

राजधानी

अवैध खनन कर रहे 9 माफिया गिरफ्तार, 10 करोड़ रुपए के 16 वाहन भी जब्त

नागौर पुलिस ने खींवसर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नागौर पुलिस ने खींवसर क्षेत्र में अवैध खनन कर रहे माफियाओं के साम्राज्य को तहस-नहस किया है। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के नेतृत्व में खींवसर पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रेमनगर की सरहद से करीब 10 करोड़ रुपये कीमत की मशीनें और वाहन जब्त कर खनन माफियाओं में हड़कंप मचा दिया है।

- **पकड़े गए आरोपी नागौर, जोधपुर ग्रामीण, डीग, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और ब्यावर जैसे अलग-अलग जिलों के निवासी हैं।**

नागौर पुलिस ने खींवसर क्षेत्र में अवैध खनन पर कार्रवाई करते हुए 9 माफियाओं और उनके 16 वाहनों को जब्त किया।

एसपी कच्छावा ने बताया कि पुलिस टीम ने जब प्रेमनगर और बैरावास की सीमा पर दबिश दी तो वहां अवैध खनन का बड़ा खेल चल रहा था। पुलिस ने मौके से पहाड़ों का सीना चीरने वाली 4 विशालकाय चैन माउंटेड एलएनटी पोकलेन मशीनें, 3 जेसीबी, 4 भारी भरकम डम्पर और 3 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इसके अलावा माफियाओं द्वारा निगरानी में इस्तेमाल की जाने वाली 1 स्कॉर्पियो और 1 मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है। कुल 16 वाहनों को भारी जाप्ते के साथ थाने लाकर खड़ा किया गया है।

पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त 9 आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी न केवल नागौर, बल्कि जोधपुर ग्रामीण, डीग, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और ब्यावर जैसे अलग-अलग जिलों के निवासी हैं, गिरफ्तार आरोपियों में राधाकिशन, मदनलाल, जलीस, विष्णु, राजमल, नेमाराम, देवराजसिंह, शंकरसिंह और सुरेश कुमार चौधरी शामिल हैं।

इस पूरी कार्यवाही को सफल बनाने में खींवसर थानाधिकारी कन्हैयालाल और डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार की टीम का विशेष योगदान रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी और वृत्ताधिकारी धरम पूनिया के सुपरविजन में टीम ने इतनी गोपनीयता से दबिश दी कि माफियाओं को भागने का मौका तक नहीं मिला।

एसपी कच्छावा ने साफ कर दिया है कि नागौर की धरती पर अवैध खनन और प्राकृतिक संसाधनों की लूट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगो पर भी गाज गिर सकती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हैं गिरिराज महाराज के परम भक्त : हेमामालिनी

'विकास के कार्यों में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री शर्मा और राजस्थान सरकार हमेशा तैयार'

जयपुर (कासं)। मथुरा से सांसद एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गिरिराजजी के परमभक्त हैं। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान सरकार की तरफ से परिक्रमा मार्ग के उन्नयन के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग का कुछ हिस्सा राजस्थान में आता है। परिक्रमा मार्ग में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जन सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है। मालिनी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं राजस्थान सरकार विकास के कार्यों में सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इनके सहयोग से परिक्रमा मार्ग में आने वाले कृष्णभक्तों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकेंगी। सांसद ने कहा कि परिक्रमा मार्ग में आने वाले गांवों तथा विभिन्न स्थानों का भी विकास किया जाएगा।

मथुरा से सांसद एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सीएम भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की।

'मजबूत न्याय प्रणाली के लिए मजबूत युवा वकीलों की जरूरत'

हाईकोर्ट ने प्रदेश के 28 साल तक के युवा वकीलों को बड़ी राहत दी है, जिनकी वकालत को अभी 5 साल की अवधि पूरी नहीं हुई है

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के 28 साल तक के उन युवा वकीलों को बड़ी राहत दी है, जिनकी वकालत को अभी पांच साल की अवधि पूरी नहीं हुई है।

अदालत ने प्रदेश की बार एसोसिएशन्स को कहा है कि वे ऐसे युवा वकीलों के लिए राजस्थान एडवोकेट्स एड टू परचेज लॉ बुक्स स्कीम तैयार करे। इसके तहत सभी जिलों के लिए एक खरीद समिति का गठन किया जाएगा, जो जूनियर वकीलों को कानून की पुस्तकों की खरीद के लिए एकमुश्त पांच हजार रुपए की सहायता देगी। राशि लेने के एक माह के भीतर वकील को पुस्तकों का बिल पेश करना होगा। यदि वह पुस्तकें नहीं खरीद पाता है तो उसे दी गई राशि वापस ली जाएगी। वहीं यदि वह इस राशि का उपयोग दूसरे काम में करता है तो यह राशि 12 फीसदी ब्याज सहित वसूली जाएगी। इसके अलावा संबंधित प्राधिकारी को इस योजना के तहत सहायता लेने वाले वकील की ओर से बनाई लाइब्रेरी का निरीक्षण करने का भी अधिकार होगा। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश मीना शर्मा व अन्य की मोटर दुर्घटना अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को कहा है कि वह जूनियर एडवोकेट्स वेलफेयर फंड के नाम से बैंक में खाता खोले और पात्र युवा वकीलों की सूची तैयार किया।

- **अदालत ने प्रदेश की बार एसोसिएशन्स को कहा है कि वे ऐसे युवा वकीलों के लिए राजस्थान एडवोकेट्स एड टू परचेज लॉ बुक्स स्कीम तैयार करे। इसके तहत सभी जिलों के लिए एक खरीद समिति का गठन किया जाएगा, जो जूनियर वकीलों को कानून की पुस्तकों की खरीद के लिए एकमुश्त 5000 रुपए की सहायता देगी**
- **यह राशि लेने के 1 माह के भीतर वकील को पुस्तकों का बिल पेश करना होगा। यदि वह पुस्तकें नहीं खरीद पाता है तो उसे दी गई राशि वापस ली जाएगी। अगर यह पैसा दूसरे काम में लिया गया तो 12 फीसदी ब्याज समेत राशि वसूली जाएगी।**

युवतियों से मारपीट पर हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ डेढ़ माह बाद मामला दर्ज

जयपुर । विद्यायकपुरी थाना इलाके में गत दिसम्बर 2025 को दो युवतियों के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस वीडियों वायरल होने के बाद प्रसज्ञान लेते हुए हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है। एएसआई बाबूलाल ने बताया कि मालवीय नगर थाने के हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी ने दो युवतियों से मारपीट की थी। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद कॉन्स्टेबल रामपाल ने मामला दर्ज कराया। हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी के खिलाफ पहले से ही 37 से ज्यादा मामले दर्ज है। वीडियो में हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी दो युवतियों को कार के खींचकर बाहर निकालता है। वह लात घूंसे से दोनों युवतियों से मारपीट करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में कुछ लोग बीच बचाव करते हुए दिखाई दे रहे है। थानाधिकारी नरेंद्र भडाना ने बताया की 26 दिसंबर 2025 की रात करीब 1 बजे विधायकपुरी थाना पुलिस की चेतक को सूचना मिली कि एक युवक दो युवतियों से मारपीट कर उनका गला दबा रहा है। सूचना पर मौके थाने की चेतक जगन पथ, चौमूं हाउस स्थित होटल शिव महिमा के पास पहुंची। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए। वीडियों वायरल होने के बाद पुलिस कंट्रोल रुम ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए कहा। जिसके बाद पुलिस ने 12 फरवरी 2026 को मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरु की। पुलिस जांच के दौरान दो और वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में दोनों लड़कियां होटल के बाहर खड़े होकर उसे गाली-गलौज कर रही है। दूसरे वीडियो में वह एक लडकी के साथ होटल के अंदर जा रहा है। होटल मैनेजमेंट से पूछताछ में पता चला कि वे होटल में कमरा लेने आए थे, लेकिन कमरे फुल होने के कारण उन्होंने मना कर दिया था। पुलिस ने आरोपी हिस्ट्रीशीटर मनीष के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच -पड़ताल शुरु कर दी है।

- **आरोपी हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी के खिलाफ 37 से ज्यादा मामले दर्ज हैं**

उत्कृष्ट खिलाड़ी कोटे में चयनित अभ्यर्थी को अपात्र घोषित करने पर मांगा जवाब

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने पटवारी भर्ती-2025 में उत्कृष्ट खिलाड़ी कोटे में चयनित अभ्यर्थियों को अपात्र घोषित करने पर प्रमुख राजस्व सचिव और राजस्व मंडल के रजिस्ट्रार सहित कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश आदित्य सारस्वत की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती को याचिका के अंतिम निर्णयाधीन रखा है। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने उत्कृष्ट खिलाडी कोटे के तहत आवेदन कर लिखित परीक्षा पास की थी। इस पर याचिकाकर्ता को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया। याचिका में कहा गया कि दस्तावेज सत्यापन के बाद उसे यह कहते हुए भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर दिया कि उसकी ओर से जिस प्रतियोगिता में भाग लेकर उसका खेल प्रमाण पत्र पेश किया है, वह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता नहीं है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता ने फेडरेशन कप टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में राष्ट्रीय लेवल पर भाग लिया था।

सार-समाचार

15 फरवरी को 'एक शाम भोलेनाथ के नाम संगीत संध्या

अजमेर, (कासं)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवा केंद्र प्रभु पसंद भवन शास्त्री नगर अजमेर द्वारा 15 फरवरी को सायं 6 बजे 'एक शाम भोलेनाथ के नाम' संगीत संध्या एवं 12 ज्योतिर्लिंगों की दिव्य झांकी का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में शिवभक्तों के लिए आध्यात्मिक वातावरण के साथ भजन, गीत और मनोहारी झांकियों के दर्शन कराए जाएंगे। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका ज्योति खोरवाल ग्रुप अपने मधुर भजनों से श्रद्धालुओं को शिवभक्ति में सराबोर करेंगी। उनके द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले शिव भजन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होंगे,साथ निखिल भाई के उनका साथ देंगे।गोविंद हरजानी का शिव तांडव नृत्य भी होगा। सेवा केंद्र की संचालिका बी के आशा ने बताया कि इस विशेष आयोजन में 12 ज्योतिर्लिंगों की आकर्षक झांकी सजाई जाएगी, जिससे श्रद्धालु एक ही स्थान पर सभी ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने सभी नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आव्हान किया। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ होगा तथा राजयोग के माध्यम से शिव शक्ति का अनुभव भी कराया जाएगा। वातावरण को भक्तिमय बनाने के लिए विशेष सजावट एवं आध्यात्मिक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। सभी शिवभक्तों से अनुरोध है कि समय पर उपस्थित होकर इस आध्यात्मिक संध्या का लाभ उठाएं।

भारत विकास परिषद, महाराणा प्रताप शाखा के सत्र 2026- 27 के वार्षिक चुनाव संपन्न

अजमेर, (कासं)। भारत विकास परिषद, महाराणा प्रताप शाखा के सत्र 2026- 27 के वार्षिक चुनाव, कोठारी क्लासेस- सभागार ,वरुण रोड पर संपन्न हुए। इस अवसर पर चुनाव पर्यवेक्षक प्रोफेसर राधेश्याम अग्रवाल प्रांतीय उपाध्यक्ष ,भाविप (मध्य प्रांत) के मुख्य आतिथेय में प्रो. महेंद्र कुमार रांका अध्यक्ष पद पर दीपक चोपड़ा सचिव पद पर एवं नीरज कोठारी कोषाध्यक्ष पर पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। इस इस अवसर पर प्रोफेसर राधेश्याम जी अग्रवाल में अपने संबोधन में परिषद द्वारा किए जा रहे किए जाने वाले सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहां की बीके कॉल क्षेत्र में अजमेर क्षेत्र की छठी शाखा का गठन हुए 9 माह में ही परिषद ने अभूतपूर्व सेवा कार्य कर इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है । प्रारंभ में अतिथियों द्वारा मां भारती के चित्र के सम्मुख दीप प्रचलन का वंदे मातरम का गायन किया गया। स्वागत उद्बोधन विशंभर प्रकाश भट्ट द्वारा दिया गया। परिषद वर्तमान सचिव दीपक चोपड़ा द्वारा गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। कोषाध्यक्ष नीरज कोठारी द्वारा आय व्यय का प्रतिवेदन रखा गया।

रजत जयंती समारोह में योग गुरु बाबा रामदेव और कैबिनेट मंत्री सुरेश रावत भी पहुंचे पुष्कर

पुष्कर,(निसं)। पुष्कर में परम् विभूषित राष्ट्र संत श्री गोविंद देव गिरी जी महाराज एवं विश्वविख्यात योगगुरु पूज्य बाबा रामदेव जी की पावन उपस्थिति में आयोजित श्री ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ आश्रम के रजत जयंती समारोह-2026 में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आश्रम के 25 वर्ष पूर्ण होने का यह पावन अवसर भारतीय संस्कृति, वेद परंपरा और आध्यात्मिक चेतना के संरक्षण का प्रेरणादायी प्रतीक है। पूज्य संतों के सानिध्य एवं मार्गदर्शन से समाज के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक उत्थान के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। समारोह को योग गुरु बाबा रामदेव ने भी संबोधित किया।

दिव्यांग बालिका गुंजन बागड़ी ने नेशनल चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

अजमेर। मीनू स्कूल, चाचियावास की दिव्यांग बालिका गुंजन बागड़ी ने स्पेशल ओलंपिक भारत द्वारा रोहतक (हरियाणा) में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप (एथलेटिक्स) में 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता है। इस उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष का वातावरण रहा। विशेष सभा में गुंजन बागड़ी और उनकी कोच सीमा रेवाड़ का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने कहा कि यह सफलता पूरे अजमेर जिले के लिए गौरव का विषय है और यह निरंतर परिश्रम व आत्मविश्वास का परिणाम है। मुख्य कार्यकारी क्षमा आर. कौशिक ने गुंजन, उनकी कोच और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा बनेगी। कार्यक्रम में डॉ. भगवान सहाय शर्मा, अनुराग सक्सेना, तरुण शर्मा, पद्मा चौहान, ईश्वर शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जल संरक्षण एवं मृदा संवर्धन में जागृति लाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अजमेर, (कासं)। जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के अधीक्षण अभियंता दिलीप जादवानी ने बताया कि जल ग्रहण घटक योजना अंतर्गत अजमेर जिले की समस्त 6 परियोजनाओं में राज्य सरकार के निर्देशानुसार के कृषकों में जल संरक्षण एवं मृदा संवर्धन में जागृति लाने के लिए शनिवार को प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति अंराई के ग्राम देवपुरी, किशनगढ़ के गांव मंडोलाव, पीसांगन के गांव गोला, सरवाड़ के गांव भगवानपुरा, भिनाय के गांव एकलसिंहा एवं केकड़ी के गांव में एक दिवसीय कृषक जागृति से समृद्धि की ओर संकल्पना में कृषक की आय वृद्धि एवं जैविक खाद के उपयोग तथा जल ग्रहण प्रबंधन विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें अजमेर जिले की समस्त 6 परियोजनाओं के लाभान्वित कृषकों ने भाग लिया। फोटो प्रशिक्षण में कृषि विभाग उद्यान विभाग एवं जल ग्रहण विभाग के कार्मिकों ने विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ का रजत जयंती समारोह और शिवरात्रि महोत्सव धूमधाम से आयोजित

पुष्कर(निसं)। ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ में तीन दिवसीय रजत जयंती समारोह एवं वार्षिक शिवरात्रि महोत्सव के तहत शनिवार को दूसरे दिन भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय संत गोविंद गिरी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ, जिसमें देश के प्रमुख संत, योग गुरु और जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में योग गुरु बाबा रामदेव ने शिरकत की। विद्यापीठ के कोषाध्यक्ष अशोक कालानी ने बताया कि बाबा रामदेव प्रातः 8:50 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्कर पहुंचे। उनका लगभग दो घंटे तक विद्यापीठ में प्रवास रहा। इस दौरान बाबा रामदेव ने वेदपाठी बटुकों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया और बताया कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति का भी माध्यम है, उन्होंने कहा कि वेद और योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर हैं, जिनका संरक्षण और प्रचार करना सभी का कर्तव्य है। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने भी की शिरकत-कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यापीठ द्वारा भारतीय संस्कृति, वेद और संस्कारों के संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान देश की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और सरकार भी इनके विकास के लिए हर संभव सहयोग करेगी।

कलश यात्रा से हुआ शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

मसूदा,(निसं)। मसूदा विधानसभा क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम झीपीयां में आयोजित शिव परिवार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को पूरे दिन धार्मिक आस्था, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। महोत्सव का शुभारंभ सुबह 8 बजे 22 मील बालाजी मंदिर से शिव मंदिर तक निकाली गई 151 कलशों की भव्य कलश यात्रा से हुआ। इस यात्रा में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों की सैकड़ों मातृशक्तियों और बेटियों ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। महिलाएं भजन-कीर्तन करते हुए करीब दो किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर शिव मंदिर पहुंचीं।

'जलवायु परिवर्तन में औषधीय पौधों का संरक्षण करना जरुरी'

अजमेर, (कासं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग, पृथ्वी विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित 'परिवर्तित जलवायु में औषधीय पौधों की भूमिका एवं पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन (एनसीईआरएमपीसीसी-2026)' विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन शुक्रवार शाम को हुआ। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में औषधीय पौधों की उपयोगिता तथा पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्जीवन की आवश्यकता पर गंभीर शैक्षणिक विमर्श किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने अपने संदेश में कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बीच औषधीय पौधों का संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र का पुनर्स्थापन वर्तमान समय की बड़ी आवश्यकता है। ऐसे सम्मेलन शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और विशेषज्ञों को साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे नवीन अनुसंधान और व्यावहारिक समाधान विकसित करने में सहायता मिलती है। उन्होंने अंतर्विषयक अनुसंधान को प्रोत्साहन देने पर बल दिया। समापन सत्र में पद्मश्री से सम्मानित हिममत राम भांभू, प्रो. एल.के. शर्मा तथा डॉ. विश्वनाथ तिवारी ने शोध सहयोग, अंतर्विषयक समन्वय और ज्ञान विनिमय को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रो. देवेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन और औषधीय पौधों पर अनुसंधान अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया।

'परिवर्तित जलवायु में औषधीय पौधों की भूमिका का सम्मेलन कुलपति प्रो आनंद भालेराव की मौजूदगी में सम्मन्न हुआ।

■ सह-संयोजक प्रो. राजेश कुमार ने शोध प्रतिवेदन लेखन प्रस्तुत किया।

दिव्यांगजनों के लिए पोषण सामग्री वितरित

■ दिव्यांग एवं कमजोर वर्गों के लिए न्यूट्रीशन पैकेट वितरित किए गए

अजमेर,(कासं)। 13 से 15 फरवरी 2026 को कायमपुरा कुचील आंगनवाड़ी में गीता सागर फाउंडेशन चाचियावास के सहयोग से पोषण व खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रोजादीन (भूतपूर्व सरपंच), सुरैया बानो एवं समाजसेवी कीमत अली खान उपस्थित रहे। फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्यांग एवं कमजोर वर्गों के लिए न्यूट्रीशन पैकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान लगभग 16 लाभार्थियों को पौष्टिक खाद्यान्न, प्रोटीन सप्लीमेंट एवं आवश्यक विटामिन युक्त पैकेट प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि रोजादीन (पूर्व सरपंच) ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों के हित में इस प्रकार का सराहनीय कार्य अन्य संस्थानों द्वारा कम ही देखने को मिलता है। उन्होंने संस्था के प्रयासों से प्रभावित होकर रू 500 का सहयोग राशि (डोनेशन) भी प्रदान किया। राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज के दिव्यांग एवं कमजोर वर्गों तक आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल न केवल लोगों को स्वास्थ्य लाभ देती है, बल्कि उनके जीवन में आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देती है। लाभार्थियों ने संस्था के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की सहायता उन्हें नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम का समापन देवाराम (सीबीआर कार्यकर्ता) द्वारा किया गया।

गोविंद देव गिरी महाराज का स्वागत

पुष्कर (निसं)। माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष राम कुमार भूतड़ा ने राष्ट्रीय संत ओर अयोध्या रामजन्म भूमि के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज से पुष्कर के वेद विद्यालय में मुलाकात की ओर आशीर्वाद लिया। भूतड़ा ने स्वामी जी को माला व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान राम कुमार भूतड़ा ने विद्यालय के विकास के बारे में चर्चा की इस दौरान भूतड़ा की पत्नी भी साथ थी। पुष्कर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष सुरज नारायण पाराशर भी भूतड़ा के साथ थे।

इसके बाद वेद विद्यालय के अध्यक्ष आनंद राठी, एवं उपाध्यक्ष रामावत जाजू से भी विकास के बारे में चर्चा की । राष्ट्रीय संत गोविंद देव गिरी जी तीन दिन के लिए पुष्कर में राज्य जयंती एवं शिवरात्रि मनाने के लिए पुष्कर आए हुए है।

जेएलएन अस्पताल के सर्जिकल आईसीयू का कायाकल्प

■ लायंस क्लब के सेवा कार्यों का विभाग ने जताया आभार

अजमेर, (कासं)। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के सर्जरी विभाग में शनिवार को एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम लायंस क्लब अजमेर द्वारा सर्जिकल आईसीयू के नवीनीकरण में दिए गए 10 लाख रुपए के महत्वपूर्ण सहयोग और भामाशाहों के योगदान को सराहने के लिए रखा गया था।

सर्जरी विभाग के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अस्पताल प्रबंधन और वरिष्ठ चिकित्सकों ने लायंस क्लब के सदस्यों और दाताओं का स्वागत व अभिनंदन किया। जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, वरिष्ठ सर्जन डॉ. जेसी बेद और अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने दानदाताओं को दुपट्टा, माला पहनाकर और स्मृति स्वरूप पौधा भेंट कर सम्मानित किया। मालूम हो कि लायंस क्लब ने आईसीयू वार्ड के आधुनिकीकरण और उच्च श्रेणी के चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने में लगभग 10 लाख रुपये का सहयोग प्रदान किया है।

अस्पताल में जल्द शुरू होगी रोबोटिक सर्जरी: कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा जगत से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं और विचार साझा हुए। इस अवसर पर जेएलएन मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने लायंस क्लब का आभार जताते हुए अन्य सामाजिक संस्थाओं से अपील की कि वे अस्पताल के विभिन्न वार्डों को गोद लें। उन्होंने बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि शीघ्र ही सर्जरी विभाग में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू की जाएगी। डॉ. शिवकुमार बुनकर विभागाध्यक्ष ने स्वागत भाषण में बताया कि इस नवीनीकरण से गंभीर मरीजों की जान बचाने में बड़ी मदद मिल रही है। डॉ. श्याम भूतड़ा ने सर्जिकल आईसीयू के इतिहास और विभाग द्वारा किए जा रहे जटिल ऑपरेशन्स व भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों के लिए क्लब को धन्यवाद दिया। वहीं क्लब के प्रोजेक्ट चेयरमैन रवि तोषनीवाल ने अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने क्लब को सेवा का अवसर प्रदान किया।

वाहन रैली में शिव संदेश से गुंजायमान शहर

■ ब्रह्माकुमारी केंद्र नवाब का बेड़ा, केसरगंज द्वारा एक विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया

अजमेर, (कासं)। ब्रह्माकुमारी संस्थान के 90वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष शिव जयंती एवं महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत विभिन्न आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में ब्रह्माकुमारी केंद्र नवाब का बेड़ा, केसरगंज द्वारा एक विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाई-बहनों एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह वाहन रैली आध्यात्मिक जागरूकता और शिव संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली गई।

नवाब का बेड़ा केसरगंज से शुरू हुई रैली: यह भव्य वाहन रैली नवाब का बेड़ा, केसरगंज से प्रारंभ हुई। रैली केसरगंज से होते हुए रामगंज, गांधी भवन, शास्त्री नगर मार्ग से गुजरती हुई वैशाली नगर स्थित बनाए गए 36 फीट ऊंचे शिव मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में शामिल वाहनों को आकर्षक झांकियों, ध्वजों और आध्यात्मिक संदेशों से सजाया गया था। पूरे मार्ग में 'ओम शांति', 'शिव बाबा का संदेश', और 'ध्यान से जीवन में प्रकाश लाएं' जैसे संदेश वातावरण को आध्यात्मिक बना रहे थे।

आमजन ने जगह-जगह किया भव्य स्वागत: रैली के दौरान विभिन्न स्थानों पर आमजन द्वारा पुष्प वर्षा कर और माल्यार्पण कर रैली का भव्य स्वागत किया गया। कई स्थानों पर लोगों ने आरती उतारकर और जयकारों के साथ रैली का अभिनंदन किया। रैली में शामिल भाई-बहन सफेद वेशभूषा में अनुशासित रूप से चल रहे थे, जिससे पूरे वातावरण में शांति, पवित्रता और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हो रहा था।

शिव संदेश के माध्यम से दिया गया आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश: इस वाहन रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को आध्यात्मिकता के प्रति जागरूक करना और यह संदेश देना था कि ध्यान और योग के माध्यम से हम अपने जीवन से अज्ञानता के अंधकार को समाप्त कर सकते हैं। संस्थान से जुड़े वक्ताओं ने बताया कि 'आज मानव जीवन में तनाव, अशांति और भ्रम बढ़ रहा है। ऐसे समय में शिव का ज्ञान और राजयोग ध्यान ही जीवन में सच्चा प्रकाश ला सकता है।'

शिव मंदिर वैशाली नगर में हुआ रैली का समापन: यह रैली वैशाली नगर स्थित 36 फीट ऊंचे शिव मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई, जहां सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से ध्यान किया और विश्व शांति की कामना की। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्यों ने शिव जयंती और स्थापना दिवस की महत्ता बताते हुए सभी को आध्यात्मिक जीवन अपनाने और सकारात्मक सोच के साथ जीवन जीने का संदेश दिया।

भागवत कथा सुनने से होता है पापों का नाश

अरांई,(निसं)। गेहलपुर स्थित मां हिंगलाज मातेश्वरी मंदिर में पाटोत्सव कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस का भव्य धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन आयस पीर शम्भूनाथ रावल महाराज के सानिध्य में हो रहा है जहां मां हिंगलाज मातेश्वरी मंदिर में श्रद्धालुओ और भक्तों का दर्शन करने के लिए भक्तों का जनसैलाब लगा रहा इस दौरान माताजी के जयकारों से समूचा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

कथा पांडाल स्थल पर कथा व्यास श्री कमल किशोर शास्त्री ने श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर भागवत कथा में धर्म, कर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने का संदेश दिया भागवत कथा में मुख्य आकर्षण भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव की झांकी प्रदर्शित की गई जैसे ही कथा पंडाल में भगवान कृष्ण के जन्म स्वरूप को लेकर भगवान वासुदेव पहुंचे तो पूरा कथा पंडाल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की जयकारों से गूंज उठा भक्तगण धूमधाम से कृष्ण जन्मोत्सव की भक्ति का आनंद लेते रहे और श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा की इससे पूर्व कथा में हिरण्यकश्यप वध वामन अवतार का प्रसंग बताया गया कथा व्यास श्री कमल किशोर शास्त्री ने श्रीमद्भागवत कथा महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि भागवत श्रवण से जीवन में सकारात्मकता, सद्बुद्धि और आत्मिक शांति प्राप्त होती है। उन्होंने भक्तों को धर्म, कर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने भागवत महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला दिव्य ज्ञान है। कथा श्रवण से मनुष्य के भीतर भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का उदय होता है तथा जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। कथा के दौरान श्रोतागण मंत्रमुग्ध होकर कथा का श्रवण करते रहे। पाटोत्सव कार्यक्रम के लिए मंदिर परिसर और कथा स्थल को आकर्षक सजावट से सजाया गया है।

ग्रामीणों प्रशासन और आयोजकों के सहयोग से कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से चल रहा है। पाटोत्सव के कार्यक्रम ने गेहलपुर में धार्मिक वातावरण को और भी प्रगाढ़ बना दिया है।

गेहलपुर स्थित मां हिंगलाज मातेश्वरी मंदिर में पाटोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महाशिवरात्रि की पूर्व सन्ध्या पर भव्य शोभायात्रा

ब्यावर (निसं)। विहिप ब्यावर परियोजना व श्री चांगेश्वर मन्दिर समिति के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ऐतिहासिक श्रीचांगेश्वर महादेव मन्दिर व शिव मंदिर बिलाता का बड़िया में महाशिवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में धार्मिक कार्यक्रमों का भव्य भजन संध्या के साथ हुआ। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा ,शिव परिवार झांकी, सत्संग ,डीजे के साथ कावड व कलश यात्रा संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में भव्य शोभायात्रा आज प्रातः शिव मंदिर बिलाता का बाडिया(ब्यावर) से शुभारंभा किया।

नव निर्वाचित सदस्यों को सौंपा नियुक्ति पत्र

मेड़ता सिटी,(निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के सानिध्य में नागौर जिला कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ कमेटी के नव निर्वाचित पदाधिकारी का सम्मान के साथ कार्यकारिणी की बैठक रखी गई, जिसमें आगामी पंचायत ओर नगर निकाय चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ विकास महला एवं संगठन महासचिव कृष्ण कुमार ने संबोधित किया।इस मौके जिला सचिव नरेश गोलियां, मीडिया प्रभारी ऋषिकेश वैष्णव, उपाध्यक्ष जितेंद्र जाखड़, सचिव वसीम रजवी, मोहित बड़ियासर, सदस्य मुस्ताक गौरी को नियुक्ति प्रमाण पत्र सम्मानित किया गया।

फायसागर झील पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर किया विशेष कार्यक्रम

अजमेर, (कासं)। शहर में लगातार सामने आ रही बच्चों के अपहरण और उनसे जुड़े अपराधों की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए नरेंद्र मोदी विचार मंच द्वारा फायसागर झील परिसर में बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और उनके अभिभावकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और संभावित खतरों से बचाव के उपाय बताना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। मंच के पदाधिकारियों ने बच्चों की सुरक्षा को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए सभी से सतर्क रहने की अपील की।

बच्चों और अभिभावकों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी: कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विशेषज्ञों और मंच के सदस्यों ने बच्चों और उनके माता-पिता को विस्तार से जानकारी दी कि किस प्रकार बच्चों का अपहरण किया जाता है और अपराधी किन-किन तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। अभिभावकों को सलाह दी गई कि वे अपने बच्चों पर विशेष ध्यान रखें, उन्हें अकेले सुनसान स्थानों पर न भेजें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें। साथ ही बच्चों को यह भी समझाया गया कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति से बात न करें, उसके साथ कहीं न जाएं और किसी भी प्रकार का लालच मिलने पर तुरंत अपने माता-पिता या शिक्षकों को जानकारी दें।

बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में किया गया जागरूक: कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बच्चों को 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में जागरूक करना रहा। बच्चों को सरल और समझने योग्य भाषा में बताया गया कि कौन-सा स्पर्श सुरक्षित होता है और कौन-सा गलत होता है। उन्हें यह भी बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति गलत तरीके से छूता है तो वे तुरंत वहां से दूर हो जाएं, जोर से आवाज लगाएं और अपने माता-पिता, शिक्षक या किसी भरोसेमंद व्यक्ति को इसकी जानकारी दें। **समाज को भी निभानी होगी जिम्मेदारी:** मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार की ही नहीं बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। यदि समाज का हर व्यक्ति जागरूक रहेगा तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

समारोह आयोजित

मसूदा, (निसं)। शनिवार को मसूदा स्थित देवनारायण आवासीय विद्यालय में वार्षिकोत्सव पारिपोषित वितरण समारोह विभिन्न रंगारंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाया गया । देवनारायण राजकीय बालक आवासीय विद्यालय मसूदा में वार्षिकोत्सव का आयोजन मसूदा विधायक के मुख्य आतिथ्य एवं मुकेश कुमार कलवार अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मसूदा, शिक्षा विद् वाला राम वर्मा, जयदेव देवल के विशिष्ट आतिथ्य तथा अभिभावकों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक द्वारा भगवान देवनारायण एवं मां शारदा का दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण द्वारा किया गया।अतिथियों का माल्यार्पण एवं सफा बंधन द्वारा स्वागत सत्कार किया गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।इस अवसर पर कलवार ने कम खाना,गम खाना और नम जाना युक्त संस्कारित शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही नियमित अध्ययन हेतु।

NAME CHANGE

I Shobha Devi Wife of Army No. 15344625A, HAV, Kharak Singh Barti Residing at Vill Baret Po:- Harsiya Bager,Teh:- Kapkote, Distt:- Bageshwar, Uttara Khand, Pin:- 263679 have change my name from Shobha Barty to Shobha Devi vide affidavit no. CA 924568 dt 14/ 02/2026 at court campus Nasirabad

आम सूचना

मेरी मां श्रीमती शांति देवी पत्नी स्व. दशरथ लाल जाति माहेश्वरी का स्वर्गवास दिनांक 3 फरवरी 2023 को मेरे निवास स्थान लक्ष्मीनारायण विहार कॉलोनी, गंगा विद्या मंदिर वाली गली, अजमेर रोड, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर पर हो गया है, जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे। प्रार्थी- प्रेमप्रकाश बंग पुत्र दशरथ लाल

'ब्लैक डे' पर शहीदों को श्रद्धांजलि व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

■ कार्यक्रम का शुभारंभ दो मिनट के मौन एवं पुष्पांजलि अर्पण के साथ किया गया

अजमेर,(कासं)। नव पंख संस्था द्वारा शनिवार को राजकीय विद्यालय परिसर में 'ब्लैक डे' के अवसर पर देश के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह दिन राष्ट्र के उन अमर वीरों की स्मृति में मनाया गया जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा हेतु अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दो मिनट के मौन एवं पुष्पांजलि अर्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं संस्था सदस्यों द्वारा शहीदों की स्मृति में श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। संस्था द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ मिलकर जिसमें बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नारे लगाते हुए राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए देशभक्ति एवं एकता का संदेश समाज तक पहुँचाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता,रंगोली प्रतियोगिता, कविता पाठ, देशभक्ति गीत (सिंगिंग प्रतियोगिता) शामिल थीं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने कला कौशल के माध्यम से शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। पोस्टरों एवं रंगोली में देशभक्ति, वीरता और बलिदान के प्रेरणादायक संदेश झलकते दिखाई दिए। कविता एवं गीतों के माध्यम से वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों का उत्साह और बढ़ा।

संस्था के प्रभारी नितिन उप्पल ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि 14 फरवरी का दिन हमें शहीदों के त्याग, साहस और समर्पण की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में अनुशासन, देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा को अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत कुशालपुरा, पंचायत समिति रायपुर (ब्यावर)

क्रमांक : ग्रापकु/2025-26/105 ई-निविदा सूचना 01/2025-26 दिनांक : 13-02-2026

विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना मद (वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत कुशालपुरा में निम्न कार्य करवाये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व शर्तें एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

निविदा सूचना की क्रम सं.	ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड /अपलोड करने की दिनांक व समय	डी.डी. व हार्ड कॉपी जमा करवाने की तिथि व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1	14.02.2026 (9.00AM) to 20.02.2026 till (05.00 PM)	23.02.2026 till (12.15 PM)	23.02.2026 from 03.00 PM & onwards

उक्त निविदाओं के यूबीएन कोड निम्न है-

NIB No- PHS2526A0043 UBN No- PHS2526WSOB00224

प्रशासक, ग्राम पंचायत कुशालपुरा, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कुशालपुरा, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

46 हजार करोड़ रूपए की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजना को कस्टमाइज़ पैकेज मिलेगा

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमैंट की बैठक ने स्वीकृति दी

जयपुर, 14 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्यमंत्री ने

■ **ये दस परियोजनाएं सोलर मॉड्यूल एवं सैल मैन्युफैक्चरिंग तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस व मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, कैमिकल, टैक्सटाइल एवं पर्यटन क्षेत्र से हैं। इससे 12 हजार से अधिक लोगों को रोज़गार मिलेगा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक हुई। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा व वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

राजस्थान में 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न सेक्टर की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज देने की मंजूरी दी। बैठक में स्वीकृत प्रस्तावों से प्रदेश में 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने सोलर मॉड्यूल एवं सैल मैन्युफैक्चरिंग तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस और मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, कैमिकल, टैक्सटाइल एवं पर्यटन सेक्टर से संबंधित अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को रिप्स के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज की स्वीकृति प्रदान की।

शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू की जिलेवार प्रगति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) को और अधिक प्रोत्साहित करने तथा प्रदेश की हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विक्रय हेतु विशेष स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गलरिया, आयुक्त बीआईपी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी जुगल किशोर मीना सहित, बीआईपी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एस जयशंकर म्युनिख पहुंचे

नई दिल्ली, 14 फरवरी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। यहां उन्होंने जी7 समूह के विदेश मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। उन्होंने भारत के यूएनएससी को सहयोग समेत, साझा हितों पर बात की। जयशंकर ने एक्स पर कुछ तस्वीरों को पोस्ट करके इसकी जानकारी दी।

विदेश मंत्री ने लिखा, समुद्री संचार रेखाओं की सुरक्षा, सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले के तौर पर काम करना,

■ **विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया व जी-7 ग्रुप के विदेश मंत्रियों के साथ चर्चा की।**

बंदरगाह सुरक्षा को मजबूत करने और सबमरीन केबल संरचना के लिए मदद करने में हमारी भूमिका पर बल दिया। इस बातचीत में भारत और जी7 के बीच कई समानताएं और साझा हित पर भी मंथन हुआ। इसके साथ ही, एस जयशंकर ने एक गोलमेज बैठक का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, म्युनिख में आस्पेन के राउंडटेबल 'दिल्ली डिसाइड्स: मैपिंग इंडियाज पॉलिसी कैलकुलस' के साथ अहम बैठक की। बहुध्रुवीय मांगों को पूरा करने के लिए एक तेज और बेजोड़ विदेश नीति की जरूरत पर जोर दिया।

चाकसू के पास कार दुर्घटना में 5 की दर्दनाक मौत

टिगरिया मोड़ पर सुबह 5 बजे ड्राइवर को झपकी आने से तेज रफ्तार कार ट्रेलर में घुस गई

जयपुर, 14 फरवरी। चाकसू थाना इलाके में स्थित कोटा नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। इस हादसे में कार में सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त कार को ट्रेलर से अलग किया और सभी मृतकों को सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। पुलिस ने काफी प्रयास से मृतकों की शिनाख्त कर हादसे की सूचना उनके परिजनों को दी।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि चाकसू के टिगरिया मोड़ पर शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे कोटा नेशनल हाईव पर ट्रेलर और कार की टक्कर की सूचना मिली थी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे पांच लोगों को काफी मुश्किल से बाहर निकाला। जिनमें एक महिला समेत चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, अस्पताल ले जाते समय एक युवक की मौत हो गई। प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि कार चालक को अचानक से नींद की झपकी आ गई और तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर

■ **जबलपुर के रहने वाले यात्री उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद खाटू श्याम जी जा रहे थे।**

में जा घुसी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार में पांच लोगों के शव बुरी तरह से फंस गए। बताया जा रहा है कि सभी लोग मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे और महाकाल उज्जैन के दर्शन कर खाटूश्यामजी सीकर जा रहे थे। थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से अलग-अलग किया और राहगीरों की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकाल उप जिला अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। करीब दो घंटे बाद यातायात सुचारू कराया गया।

गौरतलब है कि मृतका रेशमा श्रीवास्तव जबलपुर के रेलवे शासकीय स्कूल में सरकारी टीचर थीं। उनके पति अखिलेश श्रीवास्तव पिछले साल लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन से हायर ग्रेड असिस्टेंट पद से रिटायर हुए थे। रेशमा की 2 बेटियां हैं। बड़ी बेटी पलक ने ग्रेजुएशन पूरी कर ली है, जबकि छोटी बेटी पूजा 11वीं क्लास में पढ़ाई कर रही है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक के चालक सत्यनारायण निवासी काछोला (भीलवाड़ा) को दस्तयाब कर लिया है। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस ने जब्त कर थाने में खड़ा करवाया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

'पिच से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होंगे, यह सवाल मौजूदा तनाव के केन्द्र पर था। हमेशा संयमित रहने वाले सलमान ने सीधा हां या ना कहने के बजाय, ऐसा जवाब दिया, जिससे सबकी उत्सुकता बनी रही।

उन्होंने कहा, "कल पता चल जाएगा," और इस तरह खेल भावना के एक संभावित क्षण के लिए दरवाजा खुला छोड़ दिया।

असम हाइवे पर प्र.मंत्री के विमान की इमरजैंसी लैंडिग

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के मोरान में पूर्वोत्तर की पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (इमर्जेंसी लैंडिंग फैसिलिटी-ईएलएफ) पर सी-130 जे विमान से ऐतिहासिक लैंडिंग की। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के एक दिवसीय दौरे की शुरुआत की, जहां जल्द ही चुनाव होने वाले हैं।

वे अपने आगमन के बाद, चाबुआ हवाई अड्डे से उडान भरकर राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के मोरान स्थित हिस्से पर बने ईएलएफ पर उतरे।

इससे पहले एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा था कि यह ईएलएफ आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। 100 करोड़ रुपये की

■ **यह असल में पूर्वोतर की पहली इमरजैंसी लैंडिग फैसिलिटी है और इसके उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विमान की इमरजैंसी लैंडिग करवाई।**

लागत से बना यह 4.2 किमी लंबा सुदृढ़ीकृत मोरान बाईपास खंड, भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों और परिवहन विमानों के लिए एक रणनीतिक एवं बहुउद्देशीय रनवे के रूप में कार्य करेगा, जिससे रक्षा, लॉजिस्टिक्स और आपदा प्रतिक्रिया को मजबूती मिलेगी।

यह सुविधा नागरिक और सैन्य, दोनों उपयोगों के लिए डिजाइन की गई है और आपात स्थिति में डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे के विकल्प के रूप में कार्य करेगी। यह ईएलएफ 40 टन तक के लड़ाकू विमान और 74 टन अधिकतम टेक-ऑफ वजन वाले परिवहन विमान संभालने में सक्षम है। भारत के पहले ईएलएफ का उद्घाटन वर्ष 2021 में राजस्थान के बाड़मेर जिले में किया गया था।

लैंडिंग के बाद, पीएम मोदी ने लगभग 40 मिनट का एयर शो देखा, जिसमें तेजस, सुखोई, राफेल और अन्य लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया।

वे कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। वे ब्रह्मपुत्र नदी पर गुवाहाटी को उत्तर गुवाहाटी से जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित पुल का लोकार्पण करेंगे, जिससे यातायात जाम में उल्लेखनीय कमी, यात्रा समय में कमी और नदी के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों के बीच बेहतर संपर्क की उम्मीद है। वे बोंगोरा में भारतीय प्रबंधन संस्थान (इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट-आईआईएम) गुवाहाटी के अस्थायी परिसर का भी उद्घाटन करेंगे।

इंडिगो की कोलकाता -शिलांग फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

कोलकाता, 14 फरवरी। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की एक निर्धारित उड़ान में बम की आशंका जताई गई।

एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से शनिवार सुबह जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है कि विमान के शौचालय के भीतर एक हस्तलिखित पर्ची बरामद हुई, जिसमें बम होने का संकेत दिया गया था।

यह पर्ची विमान के एक क्रू सदस्य की नजर में आई। संदिग्ध संदेश मिलते ही चालक दल ने तत्काल इसकी सूचना संबंधित सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही हवाई अड्डे पर आपात सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया गया।

क्या रहमान के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे प्र.मंत्री मोदी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बांग्लादेश के राष्ट्रीय चुनावों में प्रचंड जीत के बाद अपने नेता तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित, अन्य क्षेत्रीय नेताओं को आमंत्रित कर सकती है। रहमान के अगले सप्ताह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है।

बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के विदेश नीति सलाहकार हुमायूं कबीर ने डब्ल्यु आई ओ एन से कहा कि पीएम मोदी को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जा सकता है, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में संभावित नरमी का संकेत है। उन्होंने उल्लेख किया कि मोदी पहले ही रहमान को उनकी निर्णायक चुनावी जीत पर बधाई दे चुके हैं।

कबीर ने कहा, "यह क्षेत्र हमारे

■ **बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष तारिक रहमान के विदेश नीति सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया जा सकता है।**

लिए महत्वपूर्ण है। इसे प्रभावशाली बनाना तारिक रहमान की विदेश नीति का अहम हिस्सा है। शपथ ग्रहण के लिए निमंत्रण भेजने में प्राथमिकता की भावना है। समय सीमा कम है, लेकिन सद्भावना का संकेत मौजूद है।"

हालांकि, शपथ ग्रहण समारोह में मोदी की उपस्थिति को लेकर अभी तक भारत सरकार या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कबीर ने इस संभावित निमंत्रण को बेहतर संबंधों की दिशा में एक सद्भावनापूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, जब आप किसी को समारोह में शामिल होने का निमंत्रण देते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उम्मीद होती है कि वे आएं। यह एक सद्भावना संकेत है।

यदि औपचारिक निमंत्रण भेजा जाता है और स्वीकार किया जाता है, तो समारोह में मोदी की उपस्थिति ढाका में नए राजनीतिक नेतृत्व के तहत भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हो सकती है। नई दिल्ली पहले ही नए नेतृत्व के साथ जुड़ने की अपनी इच्छा जता चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर एक पोस्ट में रहमान को उनकी निर्णायक जीत पर औपचारिक बधाई दी और बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने तथा साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। बाद में मोदी ने रहमान से फोन पर भी बातचीत की।

दिल्ली में 10-15 साल पुरानी गाड़ियां जब्त होंगी

नई दिल्ली, 14 फरवरी। दिल्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने शनिवार को एक पब्लिक नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया है कि सड़कों पर खड़ी या चल रही कोई भी पुरानी गाड़ी बिना किसी पहले नोटिस के स्क्रैप कर दी जाएगी। पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के लिए अलग-अलग नियम हैं। इस कदम का मकसद नेशनल कैपिटल में एयर पॉल्यूशन स्टैंडर्ड्स को सख्ती से लागू करना है।10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियां और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियां पुरानी गाड़ियों की कैटेगरी में आती हैं। अपने नोटिस में, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने पुरानी गाड़ियों के मालिकों से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) लेने और अपनी गाड़ियों को शहर से बाहर ले जाने की रिक्वेस्ट की है।

अमेरिका व यूरोप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका और यूरोप के विचारों में अंतर अभी भी साफ दिखाई देता है। हालांकि मार्क रुबियो ने इसे नरम और समझाने वाले तरीके से पेश किया, जबकि उपराष्ट्रपति वेंस का तरीका काफी सख्त था। यह अंतर डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिका और पारंपरिक अमेरिका के बीच सोच का अंतर भी दिखाता है, न कि यूरोप में किसी बड़े बदलाव को।

इसके बावजूद, अमेरिका लगातार यूरोप से कहता रहा है कि वह अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद ज्यादा उठाए, बजाय इसके कि पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर रहे। यह इस रिश्ते के लेन-देन वाले स्वरूप की याद दिलाता है, जिसमें यूरोप से उम्मीद की जाती है कि वह अपनी सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करे।

कई मायनों में इस आलोचना से यूरोप को फायदा भी हुआ है। इस झटके ने यूरोपीय देशों को अपनी पुरानी सोच बदलने और अमेरिका पर निर्भर रहने की आदत से बाहर आने के लिए प्रेरित किया है।

नए हालात में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने यूरोपीय यूनियन के साथ फिर से मजबूत संबंध बनाने की बात कही है। ब्रिटेन करीब दस साल पहले यूरोपीय साझा बाजार से बाहर निकल गया था और उसने दुनिया के अन्य देशों के साथ संबंध मजबूत करने की नीति अपनाई थी।

अब दूसरे यूरोपीय देश भी अमेरिका से अलग आपसी सहयोग बढ़ाने की बात कर रहे हैं। यूरोपीय साझा सेना बनाने और संयुक्त सैन्य कमान बनाने जैसे विचार भी सामने आ रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि ग्रीनलैंड अमेरिका के पास होना चाहिए और जरुरत पड़े तो सेना का विकल्प भी है, इस बात से यूरोपीय देश सतर्क व एकजुट हो गए हैं।

आखिरकार रूस के खतरे ने यूरोप में डर पैदा किया है और उसे एहसास कराया है कि वह रूसी आक्रमण के सामने कितना कमज़ोर हो सकता है। इस डर को बनाए रखने के लिए यूरोपीय देशों ने आज रूसी विपक्षी नेता एलेक्स नवलनी की हत्या पर संयुक्त बयान जारी किया।

उन्होंने कहा कि दो साल पहले साइबेरिया की जेल में बंद रहने के दौरान नवलनी को मारने के लिए दक्षिण अफ्रीकी डार्ट फ्रॉग के जहर का इस्तेमाल किया गया था।

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले बदमाशों का गैंग पकड़ा

पुलिस ने बताया एनसीआर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले ये बदमाश ऑनलाइन बेटिंग के जरिए भी ठगी करते थे

नोएडा, 14 फ़रवरी। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (नोएडा यूनिट) ने बीती रात को एनसीआर के विभिन्न नामी निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले गैंग के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग ऑनलाइन बैटिंग के जरिए ठगी भी करते थे। आरोपियों के कब्जे से वह मोबाइल फोन भी मिला है जो नोएडा के विभिन्न स्कूलों को भेजे गए धमकी भरे ई-मेल से जुड़े रिकवरी मेल में प्रयोग किया गया था।

अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ राजकुमार मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में नेपाल और भारत के नागरिक शामिल हैं। आरोपी गाजियाबाद के इंदिरापुरम और शाहबेरी क्षेत्र में रहकर कॉल सेंटर के रूप में अवैध ऑनलाइन बैटिंग नेटवर्क संचालित कर

■ **पुलिस ने बताया गिरोह में 6 बदमाश हैं इनका सरगना नेपाल का अमीष है।**

रहे थे। जांच में सामने आया कि धमकी भरा मेल यूएसए से ओरिजिनेट हुआ था। हालांकि तकनीकी पड़ताल में यह भी पता चला कि उससे जुड़ा रिकवरी ई-मेल बांग्लादेश और भारत से लिंक था। आगे की जांच में रिकवरी मेल का कनेक्शन थाना बिसरख क्षेत्र के शाहबेरी इलाके से जुड़ा पाया गया। इसी के आधार पर एसटीएफ ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में अमीष जंग कारकी (नेपाल), अनन्त कुमार (आगरा), दिव्यांशु (बिहार), साहिल कुमार (बिहार), लेखनाथ शर्मा (नेपाल) और केदारनाथ (नेपाल) शामिल हैं। इनके पास से चार लैपटॉप, 22 मोबाइल फोन, दो नेपाली पासपोर्ट, दो फर्जी आधार कार्ड, चार पैन कार्ड, 16 डेबिट-क्रेडिट कार्ड, एक चेकबुक, नेपाली पैन कार्ड, नागरिकता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और 19 हजार 500 रुपये भारतीय मुद्रा बरामद हुई है।

पूछताछ में मुख्य आरोपित अमीष ने बताया कि वह मूल रूप से नेपाल का रहने वाला है। उसने 2019-20 में ऑस्ट्रेलिया से बीबीए किया है। वर्ष 2023 में उसने देवराज नामक व्यक्ति के साथ गेममानो कंपनी में काम किया था। सोशल मीडिया के जरिए अनन्त को जोड़ा गया, जो पूर्व में नोएडा स्थित धनी ऐप ऑफिस में कार्यरत था। वहीं अनन्त और दिव्याशु 12वीं पास हैं। इनकी उम्र करीब 25 वर्ष है। लेखनाथ और केदारनाथ ने नेपाल और ऑस्ट्रेलिया से एमबीए की पढ़ ई की है। पुलिस के अनुसार पढ़े-लिखे युवाओं द्वारा संगठित तरीके से साइबर ठगी का नेटवर्क संचालित किया जा रहा था।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एसटीएफ को आरोपितों के कब्जे से वह मोबाइल फोन भी मिला है, जो धमकी भरे ई-मेल से जुड़े रिकवरी मेल में इस्तेमाल हुआ था। इस मोबाइल की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या धमकी भरे ई-मेल और बेटिंग नेटवर्क का कोई प्रत्यक्ष संबंध है या नहीं।

बड़े अफसरों के किताब लिखने पर 20 साल की रोक लगेगी!

■ **राजनैतिक व प्रशासनिक हल्कों में इसे नरवणे की किताब को लेकर उठे विवाद का "साइड इफैक्ट" बताया जा रहा है**

नई दिल्ली, 14 फरवरी। सेना और सरकार से जुड़े वरिष्ठ पदों पर रहे अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने को लेकर सख्त नियम लाने पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, बताया है कि सरकार एक प्रस्ताव पर मंथन कर रही है, जिसके तहत सेना के वरिष्ठ अधिकारियों समेत बड़े सरकारी पदों पर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद कम से कम 20 साल का 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' तय किया जा सकता है। इस अवधि के पूरा होने से पहले वे अपनी किताब या संस्मरण प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस संबंध में जल्द ही औपचारिक आदेश जारी होने की संभावना जताई जा रही है।

यह पूरा घटनाक्रम पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा "फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी" को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच सामने आया है। इस किताब में अगस्त 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सैन्य टकराव के दौरान की घटनाओं को लेकर किए गए दावों ने बीते दो हफ्तों से संसद में तीखी बहस छेड़ रखी है। केंद्रीय कैबिनेट की शुक्रवार को हुई बैठक में यह मुद्दा चर्चा में आया। हालांकि यह मुद्दा बैठक के आधिकारिक 27 सूत्रीय एजेंडे में शामिल नहीं था, लेकिन सामान्य चर्चा के दौरान कई मंत्रियों ने राय दी कि प्रभावशाली पदों पर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक लंबा कूलिंग-ऑफ पीरियड जरूरी होना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि इस पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है।

'कट्टरपंथी हिंदुत्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज के बांग्लादेश में शेख हसीना और अवामी लीग का अस्तित्व नहीं है।" स्पष्ट है कि भारत में शेख हसीना की मौजूदगी बीएनपी को परेशान कर रही है। कबीर ने कहा, चुनौतियां मौजूद हैं। शेख हसीना जैसे आतंकी का बांग्लादेश से भागकर भारत जैसे संप्रभु देश में रहना चिंता का विषय है। भारत सरकार को उनकी आतंकी गतिविधियों में शामिल या सहयोगी नहीं दिखना चाहिए, जो बांग्लादेश को अस्थिर कर सकती हैं।

नई बीएनपी सरकार ने यह भी साफ किया है कि वह भारत के साथ संतुलित संबंध चाहती है। उनका कहना है कि शेख हसीना के 15 साल के शासन के दौरान बांग्लादेश की विदेश नीति को भारत की विदेश नीति के साथ जुड़ा हुआ माना जाता था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बीएनपी की बड़ी जीत के बाद तारिक रहमान को बधाई देने वाले नेताओं में सबसे पहले थे। हालांकि भारत शेख हसीना सरकार के साथ सहज रहा, लेकिन बीएनपी के साथ, यहां तक कि दिवंगत खालिदा जिया के कार्यकाल में भी, रिश्ते ठंडे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रहमान को भारत आने का निमंत्रण दिया है, लेकिन फिलहाल उनके नई दिल्ली आने की कोई योजना नहीं है। कबीर के अनुसार, रहमान के लिए घरेलू प्राथमिकताएं पहले होंगी, क्योंकि उनकी पहली चिंता आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ, लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा, "वे किसी समय भारत आएंगे। अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम सही समय आने पर तय किए जाएंगे।"

दिल्ली के पास हैलमैट बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग

नई दिल्ली, 14 फरवरी। बाहरी दिल्ली के मुडंका थाना क्षेत्र के निलौठी इलाके में शनिवार दोपहर हेलमेट बनाने की एक फैक्टरी में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरातफरी मच गई और आसपास के लोग फैक्टरी से दूर हट गए। देखते ही देखते आग ने फैक्टरी के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल विभाग के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे फायर कंट्रोल रूम को फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही तुरंत दमकल की गाड़ियों को रवाना किया गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए, एक-एक कर कुल 20 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

सीटों व सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर द्रमुक और कांग्रेस में मतभेद बढ़े

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा 2006 के सत्ता में भागीदारी का जनादेश मिला था पर सरकार से अलग रहकर हमने गलती की

नईदिल्ली, 14 फरवरी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सत्तारूढ़ डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे और सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर तनाव के संकेत मिलने लगे हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दोनों दलों के बीच पावर शेयरिंग को लेकर अटकलों को फिर से हवा दे दी है।

विवाद उस वक्त गहरा गया, जब तमिलनाडु सरकार में मंत्री राजा कन्नप्पन ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि डीएमके आगामी विधानसभा चुनाव में 160 से 170 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और पार्टी को भरोसा है कि वह 160 सीटें तक जीत सकती है।

उनके इस बयान पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सवाल उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 2021 में आपने 173 सीटों पर चुनाव लड़ा और 133 सीटें जीतीं। हम उन सीटों के बारे में पूछ रहे हैं, जहां आप

■ **तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने साफ कहा, कांग्रेस के साथ गठबंधवन जारी रहेगा पर सत्ता में भागीदारी का कोई सवाल ही नहीं है।**

हारे थे। उन्होंने आगे कहा कि सत्ता में हिस्सेदारी जरूरी है। सत्ता में भागीदारी हमारा अधिकार है। फैसला जनता करेगी।

कांग्रेस नेता टैगोर की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब राज्य सरकार में कांग्रेस की भागीदारी को लेकर लगातार चर्चा और खंडन हो रहे हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम में साफ किया था कि तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की कोई संभावना नहीं है।

उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के साथ गठबंधन जारी रहेगा, लेकिन सरकार में सत्ता साझेदारी का कोई प्रावधान नहीं होगा। इससे कांग्रेस के कुछ नेताओं की मंत्री पद की मांगों पर विराम लग गया।

स्टालिन के बयान के बाद टैगोर ने फिर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता तय करेगी कि यह गठबंधन सरकार होगी या एकदलीय सरकार। वर्ष 2006 में जनता के जनादेश को लागू न करना तमिलनाडु कांग्रेस की गलती थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

Hero

WORLD'S NUMBER 1

MOTORCYCLE & SCOOTER COMPANY

FOR 25 YEARS IN A ROW

Hero

नए रिश्तों की शुरूआत, हीरो पे सवार.

Splendor+

शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत

~~₹80 491~~ ₹74 452#

GST लाभ ₹6 039

कॉर्पोरेट ऑफ़र्स/किसान योजना

₹2 200~ तक

डाउन पेमेंट

₹7 999$ से शुरू

EMI पर इंस्टेंट कैश बैक

₹10 000^ तक

HDFC BANK | SBI card

क्रेडिट कार्ड

Powered by pine labs

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife Stand a chance to win Gold and Silver Coins and many more assured benefits*

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN:L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of Splendor+ Drum Brake Variant in Rajasthan.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: अजमेर: राजवंश हीरो, 9289233975, रेलन हीरो, ब्यावरा रोड़, 9289922455, नागौर: धारणिया हीरो, 9289922199, ब्यावर: मंगलम हीरो, 9289922700, किशनगढ़: अमित हीरो, 9289923056, मेड़ता सिटी: जय राना हीरो, 9289922841, कुचामन सिटी: राज हीरो, 9289923111, एसोशिएट डीलर: ब्यावर: मंगलम ऑटोमोबाईल, 9251321000, विजय नगर: कमल ऑटोव्हील्स, 7014040994, केकड़ी: अग्रवाल ऑटो स्पेयर्स, सावर रोड़, 7023812796, डीडवाना: जॉगिड मोटर्स, 01580 223043 सरवड: कृष्णा मोटर्स,9214030048, गोटन: मारुति मोटर्स, 9414603017, मसूदा: बालाजी मोटर्स, 9950437559, डेगाना: शुभम मोटर्स, 8107676760, मकराना: राज ऑटो एजेंसी, 9462523111, परबतसर: शिवम मोटर, 9166362402, मौलासर: सुजान मोटर्स, 9413929633/ 9166578910, बांदनवाड़ा: पार्श्वनाथ मोटर्स, 9251050200 (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) अजमेर: रेलन हीरो, ब्यावरा रोड़, 9289922455, ब्यावर: मंगलम हीरो, 9289922700